▪ माघ शुक्ल - 15 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 210 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 24-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री ने काशी को नए स्वरूप में वैश्विक मानचित्र पर प्रस्तुत किया है : योगी

6 जीवन पर्यन्त कुरीतियों का विरोध करते रहे संत रविदास

7 रूस शासन कला की महान परंपरा वाली एक शक्ति है : जयशंकर

फर्स्ट टेक

अदालत ने भेजा राहुल गांधी, सिद्दरामैया और शिवकुमार को समन

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दायर एक मामले में शुक्रवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को समन जारी कर 28 मार्च को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। विशेष न्यायाधीश जे प्रीत ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी और विभिन्न आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का भी निर्देश दिया।

दस वर्ष से फरार इनामी आतंकवादी गिरफ्तार

जयपुर/एजेन्सी। आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहे 25 हजार रुपये के इनामी एवं फरार आतंकवादी मोहम्मद मेराजुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ एवं अपराध) दिनेश एमएन बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार आतंकवादी नियाजउद्दीन (31) निवासी वार्ड संख्या 18 बजरिया रेलवे स्टेशन थाना गंगापुर सिटी को पकड़ा है। जयपुर एटीएस की टीम को 10 सालों से इसकी तलाश थी।

रूसी सेना की सेवाओं में शामिल न हों भारतीय, सरकार की सलाह

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने भारतीय नागरिकों को सलाह दी है कि वे रूस में सेना की सेवाओं में शामिल नहीं हों और संघर्ष से दूर रहें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीय नागरिकों के रूस की सेना में शामिल होने और संघर्ष वाले इलाके में तैनाती संबंधी रिपोर्टों के बारे में मीडिया के सवालों पर कहा, हम जानते हैं कि कुछ भारतीय नागरिकों ने रूसी सेना में सहायक कामों के लिए नौकरी में सम्मिलित हुए हैं। हम सभी भारतीय नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे उचित सावधानी बरतें और इस संघर्ष से दूर रहें।'

सूर्यास्त 24-02-2024	सूर्योदय 25-02-2024
6:27 बजे	6:38 बजे

BSE	NSE
73,142.80	22,212.70
(-15.45)	(-4.75)

सोना	चांदी
6,459 रु.	72,245 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

'समुद्री हितों की रक्षा में भारतीय तटरक्षक बल की भूमिका अमूल्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि देश के समुद्री हितों की रक्षा में भारतीय तटरक्षक बल की भूमिका अमूल्य है। यहां भारतीय तटरक्षक बल के 48 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल गहलोत ने अपने संबोधन में कहा कि आज यदि तटरक्षक बल नहीं होता तो देश की साढ़े सात हजार किलोमीटर से लंबी समुद्री सीमा की रक्षा बहुत कठिन होती।

गहलोत ने तटरक्षक बल के सभी अधिकारियों, सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय तटरक्षक बल समुद्री कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करता है।

दुनिया के सबसे बड़े तटरक्षक बलों में से एक के रूप में भारतीय तटरक्षक बल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल गहलोत ने समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में इसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारतीय तटरक्षक बल ने अपने अटूट समर्पण, निष्ठा और साहस के माध्यम से, हमारी 7500 किमी लंबी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, राहत और रक्षा के अपने कर्तव्यों को पूरा करके विश्व स्तर पर देश की प्रतिष्ठा को चार चांद लगाया है।'' उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार के बीच समुद्री यातायात में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए समुद्री व्यापार और सुरक्षा में उभरती चुनौतियों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

जो खुद 'होश' में नहीं हैं, वे युवाओं को 'नशेड़ी' कह रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की 35 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग खुद 'होश' में नहीं हैं, वे युवाओं को 'नशेड़ी' कह रहे हैं।

मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के करखियाव अमूल प्लांट परिसर में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की 35 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता गांधी का नाम लिए बिना कहा, कांग्रेस के शाही परिवार के युवराज का कहना है, जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे, युवराज काशी की धरती पर आकर कह रहे हैं कि काशी के नौजवान, उत्तर प्रदेश के नौजवान नशेड़ी हैं। यह कैसी भाषा है भाई।

गांधी ने हाल में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान वाराणसी में कहा था कि उन्होंने कुछ युवाओं को नशे में धुत्त होकर सड़कों पर लेटे हुए और रात में नाचते हुए देखा था तथा उत्तर प्रदेश का भविष्य (युवा) नशे में है।

मोदी ने दावा किया, उत्तर प्रदेश सभी (80 लोकसभा) सीटें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नाम करने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी को गाली देते देते इन्होंने दो दशक बिता लिए, लेकिन अब ईश्वर रूपी जनता जनार्दन, उत्तर प्रदेश के नौजवानों पर अपनी कुंठा निकाल रहे हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं हैं वो उत्तर प्रदेश के, मेरे काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं।

चेतावनी भरे लहजे में मोदी ने कहा, अरे घोर परिवारवादियों, काशी का नौजवान तो उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने में जुटा है, अपना समृद्ध भविष्य लिखने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहा है। 'इंडी' गठबंधन द्वारा उत्तर प्रदेश के नौजवानों का अपमान कोई नहीं भूलेगा।

वह 'इंडी' गठबंधन से विपक्षी दलों के गठजोड़ 'इंडिया' का हवाला दे रहे थे।

लोस चुनाव में 100 का आंकड़ा पार करना कांग्रेस के लिए बहुत मुश्किल : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भाजपा अकेले 370 सीट हासिल नहीं कर सकती

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व चुनाव रणनीतिकार और जन सुराज संगठन के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए 100 सीट का आंकड़ा पार करना बहुत ही मुश्किल है। उन्होंने समाचार चैनल 'टाइम्स नाउ' के साथ बातचीत में यह भी कहा कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 370 सीट तक पहुंचने की संभावना नहीं है, हालांकि वह पश्चिम बंगाल में इस बार भी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस इस चुनाव में 100 का आंकड़ा पार कर लेगी, किशोर ने कहा कि उन्हें लोकसभा में कांग्रेस की वर्तमान सीट की संख्या में बड़े बदलाव की संभावना नजर नहीं आती। उन्होंने कहा, अगर सीट की संख्या 50 - 55 हो जाए तो इससे देश की राजनीति नहीं बदल जाएगी। मुझे कांग्रेस के लिए चुनाव नतीजे में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं दिख रहा है। बड़े बदलाव के लिए कांग्रेस को 100 का आंकड़ा पार करना होगा।

किशोर ने हालांकि कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कांग्रेस 100 का आंकड़ा पार करेगी। उन्होंने कहा, आज की तारीख में यह बहुत मुश्किल है।

भाजपा के 370 सीट जीतने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने कहा, भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं के लिए 370 का यह लक्ष्य रखा है। लोगों को इस 370 के लक्ष्य को सच नहीं मानना चाहिए। हर नेता को लक्ष्य तय करने का अधिकार है। यदि वे इसे हासिल कर लेते हैं तो बहुत अच्छा है, यदि नहीं कर पाते हैं तो पार्टी को इतना विनम्र होना चाहिए कि वह अपनी गलती स्वीकार कर ले।''

उनके मुताबिक, 2014 के बाद 8-9 चुनाव ऐसे हुए जहां भाजपा अपने तय लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई।

किशोर ने कहा, मैं कह सकता हूं कि भाजपा अकेले 370 सीट हासिल नहीं कर सकती। इसकी संभावना करीब-करीब जीरो ही मानता हूं। अगर यह होता है तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा।

किसान नेताओं ने 'दिल्ली चलो' आंदोलन पर कहा -

अगले कदम के बारे में 29 को फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। किसान नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने 'दिल्ली चलो' आंदोलन को लेकर अगले कदम के बारे में 29 फरवरी को फैसला करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि शनिवार को 'कैंडल मार्च' निकाला जाएगा और उसके दो दिन बाद वे केंद्र का पुतला फूंकेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) ने शुक्रवार शाम को यह निर्णय लिया। दोनों संगठन फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके आह्वान पर बड़ी संख्या में किसान हरियाणा और पंजाब के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं।

केएमएम नेता सरवन सिंह पंधेर ने खनौरी सीमा पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''आंदोलन के तहत अगले कदम की घोषणा 29 फरवरी को की जाएगी।'' उन्होंने घोषणा की कि वे 24 फरवरी को 'कैंडल मार्च' निकालेंगे और 26 फरवरी को केंद्र का पुतला फूंकेंगे।

किसान नेताओं ने खनौरी में झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत और लगभग 12 पुलिस कर्मियों के घायल होने के बाद बुधवार को 'दिल्ली चलो' आंदोलन को दो दिनों के लिए रोक दिया था। उक्त घटना तब हुई जब किसानों ने अवरोधकों को तोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की।

नक्सल प्रभावित इलाकों के गरीबों का मोदी सरकार ने जीता दिल : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ वामपंथी उग्रवाद पर कड़े प्रहार के परिणामस्वरूप, यह आज अंतिम सांस ले रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकास और सुरक्षा के लिए समग्र दृष्टिकोण के साथ नक्सलियों को जबरदस्त झटका दिया है और वामपंथी उग्रवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण वामपंथी उग्रवाद अब अपना आधार खो चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों का दिल जीत लिया है।

शाह ने हैशटैग 'नक्सलफ्रीभारत' के साथ 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नक्सलवाद पर अंकुश लगाने के लिए एक आक्रामक रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, ''वामपंथी उग्रवाद पर कड़े प्रहार के परिणामस्वरूप, यह आज अंतिम सांस ले रहा है।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं पर पर्याप्त ध्यान देकर और शिक्षा बुनियादी ढांचे का निर्माण करके नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों का दिल जीत लिया है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण के साथ नक्सलवाद पर जबरदस्त प्रहार किया है। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने समग्र विकास के लिए राज्य सरकारों को साथ लेकर लोगों का विश्वास जीता है।'' उन्होंने कुछ वीडियो भी पोस्ट किए जिनमें नक्सली मुद्दों, इस समस्या के कारण लोगों को हुए नुकसान और हताहतों तथा सरकार इस समस्या से कैसे निपट रही है, का विवरण दिया गया है।

गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2004-14 की तुलना में 2014-23 के दशक में वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी हिंसा में 52 प्रतिशत की गिरावट आई है और मृतकों की संख्या 69 प्रतिशत घटकर 6035 से 1868 हो गई है। इनके अनुसार इसी तरह वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 14,862 से घटकर 7,128 रह गई हैं। वामपंथी उग्रवाद के कारण जान गंवाने वाले सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या 2004-14 में 1750 से 72 प्रतिशत कम होकर 2014-23 के दौरान 485 रह गई है और नागरिकों के मौत के मामलों में भी 68 प्रतिशत तक कमी आई है और यह संख्या 4285 से घटकर 1383 रह गई है।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी का निधन

मुंबई/भाषा। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी का शुक्रवार को मुंबई के पी डी हिंदुजा अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें उस समय शिवसेना के सौम्य चेहरे के तौर पर जाना जाता था जब पार्टी अपनी उग्र और सड़क की राजनीति के लिए जानी जाती थी। अस्पताल ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री जोशी (86) को दिल का दौरा पड़ने के बाद 21 फरवरी को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने शुक्रवार तड़के अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया और इस मौके पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार, सुशील कुमार शिंदे और उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। जोशी को पिछले वर्ष मई में मस्तिष्काघात के बाद भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी के निधन पर शुक्रवार को गहरा शोक व्यक्त किया।

संदेशखालि में फिर हुए प्रदर्शन, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अशांत संदेशखालि के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को फिर से विरोध प्रदर्शन हुए। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने दोषियों के प्रति पुलिस की कथित निष्क्रियता के खिलाफ प्रदर्शन करने के अलावा आरोपी तृणमूल नेताओं की संपत्ति में आग लगाकर अपना गुस्सा व्यक्त किया। पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया।

प्रदर्शन के दौरान स्थानीय निवासियों ने संदेशखालि के झूपखाली क्षेत्र में पुलिस वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए सड़कों पर लट्ठे लगाकर उनमें आग लगा दी। तनाव का यह दूसरा दिन है और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर हमलों तथा उनके घरों में लूटपाट किए जाने की खबरें हैं।

तृणमूल कांग्रेस के फरार नेता शाहजहां शेख के आवासों पर ईडी के छापे

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धोखाधड़ी से जमीन हड़पने के एक पुराने मामले में तृणमूल कांग्रेस के फरार नेता शाहजहां शेख से जुड़े कारोबारियों के आवासों पर शुक्रवार को छापे मारे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईडी ने हावड़ा, विजयगढ़ और बिराती सहित शहर में और उसके आसपास के पांच अलग-अलग स्थानों पर शुक्रवार को सुबह छापेमारी शुरू की। अधिकारी ने कहा, यह छापेमारी शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों के खिलाफ धोखाधड़ी करके जमीन हड़पने के एक पुराने मामले से संबंधित है। ये लोग शाहजहां के साथ मछली के कारोबार में शामिल थे। हम कुछ विशिष्ट दस्तावेजों की तलाश कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ के कार्बन कर मुद्दे को दृढ़ता से उठाएंगे : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत कार्बन कर मुद्दे को यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ 'बेहद' दृढ़ता से उठाएगा और 27 देशों के संघ के साथ मिलकर इसका समाधान निकालेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ भारत मुद्दे को अवसर में बदलने के लिए खुद को तैयार करेगा। गैर-शुल्क बाधाएं और कार्बन कर जैसे एकतरफा उपाय भारत के लिए चिंता का विषय हैं। देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों के तहत स्वतंत्र व निष्पक्ष तरीके से इससे निपटेगा।

गोयल ने 'रायसीना डायलॉग 2024' में कहा, जहां हमें जवाबी कार्रवाई करनी है, हम जवाबी कार्रवाई करेंगे। जहां हमें चर्चा करनी होगी और मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा हम चर्चा करेंगे और उन्हें हल करेंगे और जहां हमें इसे कानूनी तौर पर उठाना होगा वहां हम ऐसा करेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सीबीएएम (कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली) विभिन्न व्यवसायों के लिए चिंता का विषय रहा है। गोयल ने कहा, सीबीएएम एक ऐसी चीज है जिसे हम डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) के नियमों के तहत मजबूती से उठाएंगे, हम मुद्दे से यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय रूप से निपटेंगे।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएएम एक जनवरी 2026 से यूरोपीय संघ में चुनिंदा आयात पर 20-35 प्रतिशत कर में तब्दील हो जाएगा। भारत के लौह अयस्क छर्रों, लोहा, इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों के निर्यात का 26.6 प्रतिशत यूरोपीय संघ को जाता है। ये उत्पाद सीबीएएम से प्रभावित होंगे। भारत ने 2023 में यूरोपीय संघ को 7.4 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का ये सामान निर्यात किया था। गोयल ने कहा कि भारत इसे ''लाभ की स्थिति में बदल देगा। हमारे पास योजनाएं हैं, (लेकिन) मैं खुलासा नहीं कर सकता... लेकिन मैं भारत के हर एक व्यक्ति को आश्वस्त कर सकता हूं कि प्रधानमंत्री और उनकी टीम यह सुनिश्चित करेगी कि भारतीय कारोबारियों को इससे को कोई परेशानी न हो ....।

ठाकरे सरकार के दौरान बुलेट ट्रेन परियोजना धीमी हो गई थी, हम भरपाई की कोशिश करेंगे : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि यदि महाराष्ट्र की तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार ने शीघ्र अनुमति दे दी होती, तो देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में अब तक काफी प्रगति हो चुकी होती। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन चलने से आर्थिक प्रगति होगी।

यहां परियोजना कार्य का निरीक्षण करते समय मीडियाकर्मियों से वैष्णव ने कहा कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे गलियारे पर सूरत-बिलिमोरा खंड जुलाई-अगस्त 2026 तक चालू हो सकता है। उन्होंने कहा, इसके बाद अन्य खंड पर एक के बाद एक संचालन शुरू होगा।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में 'सीमित स्टॉप' और 'ऑल स्टॉप' सेवाएं होंगी। मंत्री ने कहा कि सीमित स्टॉप वाली ट्रेनें मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी केवल दो घंटे में तय करेंगी, जबकि अन्य सेवा में लगभग 2 घंटे 45 मिनट लगेंगे। परियोजना के तहत कुल 12 स्टेशन होंगे। इसे नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

वैष्णव ने कहा, अगर (तत्कालीन) उद्धव ठाकरे सरकार ने सभी अनुमतियां तेजी से दी होतीं, तो यह परियोजना अब तक काफी आगे बढ़ चुकी होती। उन्होंने कहा कि जैसे ही राज्य में एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फड़णवीस (शिवसेना-भाजपा) सरकार बनी, 10 दिन में अनुमतियां दे दी गईं। साल 2022 में शिंदे के विद्रोह के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिसके चलते उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई और मुख्यमंत्री बने, तथा देवेंद्र फड़णवीस ने उपमुख्यमंत्री का पदभार संभाला। वैष्णव ने कहा, दुर्भाग्य से, ठाकरे सरकार ने इस परियोजना में बहुत देरी की, लेकिन वे अब इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।

रिजर्व बैंक ने पेटीएम हैंडल पर यूपीआई करने वाले ग्राहकों के लिए कदम उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक के जरिये बैंक और वॉलेट सेवाओं का लाभ उठाने वाले ग्राहकों और व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को कुछ अतिरिक्त कदम उठाए। केंद्रीय बैंक ने यूपीआई भुगतान के लिए पेटीएम हैंडल (पेटीएम) का उपयोग कर रहे पेटीएम पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों के चार-पांच अन्य बैंकों से जुड़ने की संभावना पर भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से गौर करने के लिए कहा है।

इस पहल का मकसद भुगतान व्यवस्था में किसी भी तरह की बाधा को रोकना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 15 मार्च, 2024 के बाद अपने ग्राहक खातों और वॉलेट में धन लेने से रोक दिया है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबीएल) की वेबसाइट के अनुसार उसके 30 करोड़ वॉलेट और तीन करोड़ बैंक ग्राहक हैं। एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणालियों के संचालन के लिए एक केंद्रीय संगठन है। यह भारत में भुगतान और निपटान बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आरबीआई और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की एक पहल है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि चूंकि पीपीबीएल 15 मार्च, 2024 के बाद अपने ग्राहक खातों और वॉलेट में धन स्वीकार नहीं कर सकता है, लिहाजा 'पेटीएम' हैंडल का उपयोग करने वाले यूपीआई ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए कुछ अतिरिक्त कदम जरूरी हो गए हैं। हालांकि यूपीआई हैंडल का स्थानांतरण केवल ऐसे ग्राहकों और व्यापारियों पर ही लागू होगा, जिनके पास यूपीआई हैंडल 'पेटीएम' है। जिनके पास कोई अन्य यूपीआई हैंडल है, उन्हें कोई कार्यवाही करने की जरूरत नहीं होगी। आरबीआई ने कहा, एनपीसीआई को आरबीआई ने सलाह दी है कि वह नियमों के तहत वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल) के अनुरोध की जांच करे। कंपनी ने पेटीएम ऐप पर यूपीआई का संचालन जारी रखने के लिए 'थर्ड पार्टी एप्लिकेशन' प्रदाता (टीपीएपी) बनने का आग्रह किया था। पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लि. (ओसीएल) के पास पीपीबीएल में 49% हिस्सेदारी है। आरबीआई ने कहा कि 'पेटीएम' हैंडल को अन्य बैंकों में निर्बाध रूप से स्थानांतरित करने के लिए एनपीसीआई भुगतान सेवा प्रदाता (पीएसपी) के रूप में चार-पांच अन्य बैंकों का सत्यापन कर सकता है।

मोदी पर गूगल एआई टूल की प्रतिक्रिया में पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में एक सवाल पर गूगल के एआई टूल जैमिनी की प्रतिक्रिया अपराध संहिता के कई प्रावधानों के साथ ही आईटी नियमों का सीधा उल्लंघन है। मंत्री ने इस संबंध में एक पत्रकार के विशिष्ट एकाउंट द्वारा उठाए गए मुद्दे का संज्ञान लिया जिसमें आरोप लगाया गया है कि गूगल जैमिनी की, मोदी संबंधी एक सवाल पर प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह से ग्रस्त थी जबकि यही सवाल जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बारे में किया गया तो उसने स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, ये आईटी अधिनियम के मध्यस्थ नियमों (आईटी नियमों) के नियम 3(1)(बी) का प्रत्यक्ष उल्लंघन और आपराधिक संहिता के कई प्रावधानों का उल्लंघन हैं।

मंत्री ने आगे की कार्रवाई के संकेत के साथ पोस्ट को गूगल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय को प्रेषित किया है।

'भाजपा का राकांपा के साथ रणनीतिक और शिवसेना के साथ भावनात्मक गठबंधन है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राज्य में अजित पवार के गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ रणनीतिक और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना के साथ भावनात्मक गठबंधन है।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ रहा है और उन्हें विपक्ष पर निशाना साधने की जरूरत नहीं है। फडणवीस मुंबई में 'एबीपी नेटवर्क' के कार्यक्रम 'भारत का विचार' समिट 3.0 में 'सहयोगात्मक संघवाद : राज्यों का मत' विषय पर बोल रहे थे। महाराष्ट्र में राजनीतिक समझौतों पर बात करते हुए फडणवीस ने कहा, हम राकांपा के साथ रणनीतिक गठबंधन में हैं और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ हमारा भावनात्मक गठबंधन है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार को तीसरा कार्यकाल मिलेगा। उन्होंने कहा, भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता। हमें विपक्ष पर निशाना साधने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र में सरकार के बारे में फडणवीस ने कहा, शरद पवार ने गठबंधन से संबंधित बातचीत का नेतृत्व करने के लिए अजीत पवार को जिम्मा दिया था। बाद में अजित पवार भाजपा से की गई प्रतिबद्धताओं से पीछे नहीं हट पाए। अजित पवार और राकांपा के कई शीर्ष नेता पिछले साल शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी से अलग हो गए थे और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना तथा भाजपा के सत्तारूढ़ गठबंधन से हाथ मिला लिया था।

विनिर्माण क्षेत्र को भारत की आर्थिक वृद्धि में एक चौथाई योगदान देना चाहिए : महिंद्रा एंड महिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनीश शाह ने शुक्रवार को कहा कि 2047 तक 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और एक विकसित देश (विकसित भारत) बनने की महत्वाकांक्षा के बीच विनिर्माण क्षेत्र को भारत की आर्थिक वृद्धि में एक चौथाई योगदान देने की जरूरत है।

एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया समिट 3.0' में राष्ट्रीय विकास और आर्थिक समृद्धि को तेज करने में उद्योगों तथा उद्यमों की भूमिका पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि अगले सात साल में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से वैश्विक जीडीपी में उतना ही योगदान होने की उम्मीद है, जितना पूरे यूरोपीय संघ का मिलकर होता है। शाह ने कहा, भारत ने विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। इसका मतलब है कि विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत होना चाहिए... हमें अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए और विनिर्माण को 16 गुना और निर्यात को 11 गुना बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट में राजनीति पर अर्थशास्त्र को प्राथमिकता दी गई है, राजकोषीय सूझ-बूझ को अपनाया गया है और पूंजीगत व्यय में अधिक निवेश किया गया है। शाह ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में शानदार काम किया है।

अर्थव्यवस्था के मामले में भारत दुनिया में 10वें से पांचवें स्थान पर आ गया है : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाराजगंज (उप्र)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में 10वें स्थान से अब पांचवें स्थान पर है। उन्होंने कहा, अगले डेढ़ साल में हम तीसरे स्थान पर होंगे। सीतारमण ने कहा कि जिस देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, वहां के लोगों का जीवन स्तर भी बेहतर होता है और इससे सभी को फायदा होता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह देश की पहली सरकार है जो लोगों की बात सुनती है, फिर योजनाएं बनाती है और उन योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने का काम करती है। उन्होंने कहा, भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसमें छोटे से छोटा कार्यकर्ता भी पार्टी के लिए काम करके पार्टी के ऊंचे पदों पर पहुंच सकता है।

सीतारमण ने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' टूट चुका और फोटो खिंचवाने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा, उनके (कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव) के पास जनता से कहने के लिए कुछ नहीं बचा है। प्रधानमंत्री मोदी के दिल में किसानों के लिए बहुत कुछ है। सीतारमण के मुताबिक, सरकार ने 10 साल में किसानों के लिए बहुत कुछ किया है तथा भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में घोटाला मुक्त सरकार दी है।

खनौरी सीमा पर एक किसान की हृदयाघात से मौत

चंडीगढ़/भाषा। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर 'दिल्ली चलो' आंदोलन के तहत पंजाब-हरियाणा की खनौरी सीमा पर डेरा डाले लोगों में से एक किसान की हृदयाघात से मौत हो गई। एक किसान नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि बठिंडा जिले के अमरगढ़ गांव निवासी दर्शन सिंह (62) की मौत हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) पंजाब और हरियाणा की शंभू व खनौरी सीमा पर विभिन्न मांगों को लेकर किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। पंधेर के मुताबिक आंदोलन में शामिल 72 वर्षीय एक अन्य किसान की पूर्व में खनौरी सीमा पर ही हृदयाघात से मौत हो गई थी जबकि शंभू सीमा पर भी 63 वर्षीय एक किसान की हृदयाघात से मौत हुई थी।

बीआरएस विधायक लस्या नंदिता की तेलंगाना में सड़क हादसे में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधायक जी. लस्या नंदिता की शुक्रवार को संगारेड्डी जिले के पाटनचेरु में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि नंदिता (36) जिस कार में यात्रा कर रही थीं वह शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर सड़क किनारे लगे धातु के अवरोधक से टकरा गई, जिसके चलते दुर्घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। उसने बताया कि इस हादसे में कार चालक के दोनों पैरों में फ्रैक्चर हुआ है और एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा। पुलिस ने बताया कि हादसे में वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें संदेह है कि चालक को नींद आ रही होगी और वह वाहन कथित तौर पर तेज गति से चला रहा था। विधायक कार में अगली सीट पर बैठी थीं और सीट बेल्ट बांध रखी थी।

सिर्फ शुद्ध 'चीज़' का इस्तेमाल, सक्षम अधिकारियों के साथ कर रहे सहयोग : मैकडॉनल्ड्स

नई दिल्ली/भाषा। फास्ट फूड शृंखला मैकडॉनल्ड्स की पश्चिम और दक्षिण भारत में कारोबार करने वाली फ्रेंचाइजी ने अपने उत्पादों में सिर्फ शुद्ध 'चीज़' का ही इस्तेमाल होने का दावा करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इस बारे में ''सक्षम अधिकारियों'' के साथ सहयोग कर रही है। इससे पहले ऐसी रिपोर्ट आई थी कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) कंपनी के उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 'चीज़' की गुणवत्ता को लेकर उसके खिलाफ कार्रवाई कर रहा है।

वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड की अनुषंगी इकाई हार्डकॉसल रेस्टोरेंट के पास भारत के पश्चिम और दक्षिण बाजारों में मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट के स्वामित्व और संचालन का फ्रेंचाइजी अधिकार है। मैकडॉनल्ड्स इंडिया (पश्चिम और दक्षिण) ने एक बयान में कहा, हम इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से सक्षम अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं और उनके अंतिम स्पष्टीकरण का इंतजार कर रहे हैं। हम हमेशा कड़े खाद्य मानकों का पालन करते रहे हैं और सभी लागू खाद्य कानूनों का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र एफडीए ने मैकडॉनल्ड्स पर बर्गर और नगेट्स में असली 'चीज़' की जगह उसका कोई अन्य विकल्प इस्तेमाल कर मिलावट करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में अहमदनगर स्थित आउटलेट का लाइसेंस निलंबित भी कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्रवाई के बाद मैकडॉनल्ड्स ने कई स्थानों पर अपने मेनू से 'चीज़' शब्द को हटा दिया है। महाराष्ट्र एफडीए ने फास्ट फूड शृंखला से कहा है कि वह पूरे भारत में अपने मेनू से 'चीज़' शब्द का इस्तेमाल हटाए। मैकडॉनल्ड्स इंडिया (पश्चिम और दक्षिण) ने बयान में कहा कि महाराष्ट्र में मैकडॉनल्ड्स आउटलेट्स के मेनू से 'चीज़' को हटाने की हालिया रिपोर्टों के बीच कंपनी मूल्यवान ग्राहकों को आश्वस्त करना चाहती है कि 'चीज़' से बने उसके सभी उत्पादों में केवल शुद्ध, उच्च गुणवत्ता वाले 'चीज़' का ही इस्तेमाल किया जाता है।

नोकिया, भारतीय विज्ञान संस्थान ने 6जी उपयोग पर शोध करने के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली/भाषा। बहुराष्ट्रीय संचार कंपनी नोकिया 6जी प्रौद्योगिकियों और 6जी इस्तेमाल को लेकर संयुक्त रूप से शोध करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ साझेदारी की है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बेंगलूरु में नोकिया की नई 6जी प्रयोगशाला में नोकिया और आईआईएससी एक साथ काम करेंगे। वे अनुसंधान के तीन प्रमुख क्षेत्रों 6जी रेडियो प्रौद्योगिकियां, 6जी आर्किटेक्चर और 6जी एयर इंटरफेस में मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग पर अनुसंधान करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया, नोकिया 6जी प्रौद्योगिकियों और 6जी इस्तेमाल को लेकर संयुक्त रूप से शोध करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ साझेदारी करते हुए भारत में अपनी 6जी प्रतिबद्धता का विस्तार करने की आज घोषणा करती है। इसका भारत में सीधा सामाजिक प्रभाव होगा। नोकिया ने अक्टूबर 2023 में बेंगलूरु में अपने वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र में 6जी प्रयोगशाला खोली थी।

बायजू की ईजीएम में रवींद्रन, परिवार को निदेशक मंडल से हटाने का प्रस्ताव पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा-प्रौद्योगिकी मंच बायजू के 60 प्रतिशत से अधिक शेयरधारकों ने शुक्रवार को देश के सबसे लोकप्रिय तकनीकी स्टार्टअप में कथित 'कुप्रबंधन और विफलताओं' को लेकर संस्थापक एवं सीईओ बायजू रवींद्रन और उनके परिजनों को निदेशक मंडल से हटाने के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। लेकिन बायजू मंच का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न (टी एंड एल) ने संस्थापक सदस्यों की अनुपस्थिति में किए गए इस मतदान को 'अमान्य' बताते हुए इससे किनारा करने की कोशिश की।

कंपनी के छह निवेशकों ने रवींद्रन एवं उनके परिजनों के खिलाफ प्रस्ताव लाने के लिए असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाई थी। हालांकि रवींद्रन और उनका परिवार ईजीएम को 'प्रक्रियात्मक रूप से अमान्य' बताते हुए इससे दूर रहा।

ईजीएम बुलाने वाली एक प्रमुख निवेशक कंपनी प्रोसस ने बयान में कहा, शेयरधारकों ने मत के लिए रखे गए सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इनमें बायजू में संचालन, वित्तीय कुप्रबंधन और अनुपालन मुद्दों के समाधान के लिए अनुरोध, निदेशक मंडल का पुनर्गठन और कंपनी के नेतृत्व में बदलाव शामिल है।

भले ही ईजीएम में रवींद्रन और उनके परिजनों को कंपनी के निदेशक मंडल से हटाने के पक्ष में मतदान हुआ है लेकिन इस बैठक का नतीजा 13 मार्च तक लागू नहीं होगा। दरअसल कर्नाटक उच्च न्यायालय उस दिन ईजीएम बुलाने के कुछ निवेशकों के कदम को चुनौती देने वाली रवींद्रन की याचिका पर सुनवाई करेगा।

हालांकि उच्च न्यायालय ने थिंक एंड लर्न (टीएंडएल) में सामूहिक रूप से 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले शेयरधारकों द्वारा बुलाई गई ईजीएम पर रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया था। लेकिन उसने कहा था कि बैठक में पारित कोई भी प्रस्ताव अगली सुनवाई तक प्रभावी नहीं होगा। कंपनी के संस्थापक रवींद्रन और उनके परिवार के पास 26.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इस बीच, ईजीएम का नतीजा घोषित होने के पहले ही बायजू ने एक बयान जारी करते हुए प्रस्तावों को अमान्य और अप्रभावी बताया। कंपनी ने कहा, ईजीएम में चुनिंदा शेयरधारकों का एक छोटा समूह शामिल है। इसमें लागू न हो सकने वाले प्रस्तावों को पारित करना कानून के शासन को चुनौती देने का काम करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) / KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

बिजली उपभोक्ताओं के लिए नियमों में बदलाव, अब तीन दिन में मिलेगा नया कनेक्शन

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए नए कनेक्शन लेने और छतों पर लगने वाली सौर इकाइयों के लिए नियम सरल बनाए हैं। इसके तहत नए बिजली कनेक्शन अब महानगरीय क्षेत्रों में तीन दिन, नगरपालिका क्षेत्रों में सात दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिन में मिलेंगे।

बिजली मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि सरकार ने इससे संबंधित बिजली (उपभोक्ता अधिकार) नियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने कहा कि संशोधनों के बाद छत पर सौर बिजली इकाई लगाने की प्रक्रिया भी सरल हो गई है। साथ ही इसमें बहुमंजिला फ्लैटों में रहने वाले उपभोक्ताओं को भी कनेक्शन का प्रकार चुनने का अधिकार दिया गया है।

इसके अलावा आवासीय सोसाइटी में सामान्य क्षेत्रों और बैक-अप जनरेटर के लिए अलग-अलग बिलिंग सुनिश्चित की गई है जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। संशोधित नियम में उपभोक्ताओं की शिकायतों के मामले में बिजली की खपत के सत्यापन के लिए वितरण कंपनियों द्वारा लगाए गए मीटरों की जांच का भी प्रावधान किया गया है। केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने कहा कि सरकार के लिए उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि है। ये संशोधन इसी को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। बयान के मुताबिक, नया बिजली कनेक्शन मिलने की अवधि महानगरीय क्षेत्रों में सात दिन से घटाकर तीन दिन, अन्य नगर निगम क्षेत्रों में 15 दिन से घटाकर सात दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 दिन से घटाकर 15 दिन कर दी गई है।

केंद्र को निशाना बनाने संबंधी प्रस्ताव पारित करने पर कर्नाटक विस में भाजपा, जद (एस) का हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में केंद्र सरकार को निशाना बनाने संबंधी प्रस्ताव पारित किये जाने पर विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण शुक्रवार को सदन की कार्यवाही बाधित हुई और इसे स्थगित करना पड़ा। इस बीच, विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) ने विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर की अध्यक्षता में हुई बैठक में सत्र की अवधि एक दिन बढ़ाकर सोमवार तक करने का फैसला किया। सत्र आज तक के लिए निर्धारित था। विपक्ष की मांग है कि सरकार इन प्रस्तावों को वापस ले।

नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बृहस्पतिवार को सरकार द्वारा पेश और पारित किए गए प्रस्तावों को झूठा, काल्पनिक और राजनीति से ''प्रेरित'' करार देते हुये इसकी निंदा की और एक जवाबी ''प्रस्ताव'' पढ़ा। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए केंद्र पर दोष मढ़ रही है। विपक्ष का प्रस्ताव क्योंकि उचित प्रक्रियाओं का पालन किये बिना और विधानसभा अध्यक्ष की सहमति के बिना पढ़ा गया इसीलिए इस पर विचार नहीं किया गया या मतदान नहीं कराया गया।

राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया था कि वित्तीय संसाधनों के आवंटन में राज्य के साथ कोई अन्याय न हो और किसानों को उनकी सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिले और इसे सुनिश्चित करने के वास्ते एक कानून बनाने का भी आग्रह किया। शुक्रवार को जैसे ही सदन की बैठक शुरू हुई तो भाजपा और जद(एस) सदस्य सदन के आसन के निकट आ गए।

अशोक ने कहा कि बीएससी की बैठक में चर्चा किये बिना ही केंद्र सरकार के खिलाफ एकतरफा प्रस्ताव लाये गये। उन्होंने कहा कि एजेंडे में भी इसका जिक्र नहीं था। उन्होंने प्रस्तावों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा, सदन में बहुमत होने के बावजूद सरकार गुपचुप तरीके से प्रस्ताव क्यों लेकर आई? वे एजेंडे में इसका उल्लेख कर सकते थे और प्रक्रिया के तहत खुले तौर पर प्रस्ताव पेश कर सकते थे और हम भी प्रस्तावों के खिलाफ अपना पक्ष और आपत्तियां रख सकते थे।

उन्होंने कहा, ''विधानसभा और इसके नियमों का अपमान किया गया है।'' कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने सरकार के इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव कर्नाटक और उसके लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह राज्य के साथ हुए अन्याय के खिलाफ है और तथ्यों तथा आंकड़ों के साथ है। पाटिल ने कहा कि कानून के मुताबिक प्रस्ताव पेश और पारित किया गया है और इसे वापस लेने का कोई सवाल ही नहीं है। सदन में हंगामा जारी रहने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

आदित्य-एल1 पर लगे 'पेलोड' के उन्नत सेंसरों ने सीएमई के प्रभाव का पता लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 पर लगे पेलोड' के उन्नत सेंसरों ने कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के प्रभाव का सफलतापूर्वक पता लगाया है। सूर्य से प्लाज्मा और चुंबकीय तत्वों के निकलने की घटना को सीएमई कहा जाता है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए) नामक पेलोड एक ऊर्जा व द्रव्यमान विश्लेषक है, जिसे कम ऊर्जा सीमा में सौर पवन इलेक्ट्रॉन और आयनों के मापन के लिए तैयार किया गया है। इसमें दो सेंसर हैं: पहला सेंसर सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रॉब (स्वीप) 10 इलेक्ट्रॉन वाल्ट से 3 किलो इलेक्ट्रॉन वॉल्ट की ऊर्जा सीमा में इलेक्ट्रॉनों को मापता है जबकि दूसरा सेंसर सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनलाइजर (एसडब्ल्यूआईसीएआर) 10 इलेक्ट्रॉन वाल्ट से 25 किलो इलेक्ट्रॉन वाल्ट और 1-60 एएमयू द्रव्यमान ऊर्जा सीमा में आयनों को मापता है। सेंसर सौर वायु कणों के आगमन की दिशा मापने में भी सक्षम हैं।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला एवं वैमानिकी इकाई द्वारा विकसित पीएपीए से एकत्र किए गए डेटा से विशेष रूप से 15 दिसंबर, 2023 और 10-11 फरवरी, 2024 के दौरान हुई कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) घटनाओं के बारे में पता चला है।

इसरो ने एक बयान में कहा, 15 दिसंबर, 2023 को सीएमई की एकल घटना हुई थी। इस अवधि के दौरान पीएपीए अवलोकनों ने कुल इलेक्ट्रॉन और आयन गिनती में अचानक वृद्धि देखी। बयान में कहा गया है कि पीएपीए से मिली जानकारी अंतरिक्ष मौसम की स्थिति की निगरानी में इसकी प्रभावशीलता और सौर घटनाओं का पता लगाने व विश्लेषण करने की इसकी क्षमता को रेखांकित करती है। इसरो ने दो सितंबर को पीएसएलवी-सी57 रॉकेट से आदित्य-एल1 का सफल प्रक्षेपण किया था।

अगर लोग अपने संविधान को नहीं समझेंगे तो भारत समृद्ध नहीं हो सकता : मंत्री महादेवप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा ने कहा है कि अगर लोग अपने संविधान को ठीक से नहीं समझेंगे तो समृद्ध भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता है। उन्होंने शनिवार को आयोजित होने वाले संविधान एवं राष्ट्रीय एकता सम्मेलन के संबंध में बातचीत की। कर्नाटक सरकार एक महीने तक चलने वाले राज्यव्यापी संविधान जागरूकता अभियान के अंत में इस सम्मेलन का आयोजन कर रही है। इस अभियान में लगभग सभी गांवों को शामिल किया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया यहां पैलेस ग्राउंड में इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। कर्नाटक सरकार ने देश का संविधान अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नागरिकों को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करने के लिए 26 जनवरी को संविधान जागरूकता अभियान शुरू किया था। महादेवप्पा ने कहा कि अगर लोगों को आर्थिक और सामाजिक आजादी नहीं मिलती है

तो आजादी का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने बताया कि आजादी के 75 साल बाद भी संविधान के उद्देश्य हासिल नहीं हो सके हैं, इसलिए हर जगह आर्थिक और सामाजिक असमानता दिखाई देती है।

उन्होंने कहा, ''अगर हम संविधान को नहीं समझेंगे, तो हम समृद्ध भारत का निर्माण कैसे कर सकेंगे? संविधान केवल अनुसूचित जाति (एससी) / अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण तक ही सीमित नहीं है। यह हाशिए पर मौजूद समुदायों के उत्थान के लिए दिया गया एक अवसर मात्र है।''

महादेवप्पा ने कहा कि एक महीने तक चले इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को देश में लोकतंत्र की मजबूती के लिए की गई पहल के बारे में शिक्षित करना था।

देश में बढ़ती सांप्रदायिकता पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा, संवेदनशील मामलों और आस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीति में प्रमुखता मिल रही है। लोगों की समस्याएं दरकिनार हो गई हैं तथा भगवान और धर्म विमर्श के केंद्र में आ रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि कि यह पहल अराजनीतिक, धर्मनिरपेक्ष और जातिरहित है तथा 'संविधान के बारे में जागरूकता फैलाकर उसे बचाने के लिए' इसका आयोजन किया गया है।

यूपीए के दौरान राज्यों को आवंटन बढ़ाने से इनकार कर दिया था : बसवराज बोम्मई

कांग्रेस काल में राज्यों के साथ अन्याय हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश में कांग्रेस के 55 साल के शासनकाल में राज्यों को सिर्फ 20 प्रतिशत अनुदान मिलता था लेकिन अब नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद राज्य को 42 प्रतिशत अनुदान मिलता है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केंद्र पर अनावश्यक आरोप लगाकर राज्य के लोगों को गुमराह कर रही है।

राज्य विधानसभा में केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस द्वारा पेश किये गये प्रस्ताव के खिलाफ विपक्षी भाजपा द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पेश किये जाने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अनुचित है और राज्य के लोगों को गुमराह कर रहा है।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासन में राज्य कर केवल 20 प्रतिशत था। तब रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व में दक्षिण भारत के कई नेता एकजुट हुए और राज्यों के कर बढ़ाने के लिए संघर्ष किया। हालांकि, उन्होंने यूपीए काल में राज्यों की टैक्स सब्सिडी बढ़ाने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी ने कुछ ही वर्षों में राज्यों की कर हिस्सेदारी को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है। न केवल जीएसटी राहत और केंद्र से राज्य को अनुदान, बल्कि केंद्र प्रायोजित परियोजनाओं के लिए अनुदान का पैसा भी सीधे लाभार्थी के खाते में जमा किया जाएगा।

सच बोलने की सजा भुगत रहे है सत्यपाल मलिक : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के पूर्व राज्यपाल और पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यपाल मलिक को पुलवामा त्रासदी पर सच बोलने के लिए सजा मिल रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि पुलवामा त्रासदी में 40 देशभक्त सैनिकों ने बलिदान दिया। आज मलिक के घर पर सीबीआई ने छापा मारा और उन्हें डराने की कोशिश की। चूंकि पुलवामा त्रासदी के समय सत्यपाल मलिक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे, इसलिए केंद्र के खिलाफ उनके आरोपों से इनकार नहीं किया जा सकता है। सच्चाई का सामना करने में असमर्थ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार आशा के अनुरूप उन्हें सीबीआई जांच के माध्यम से प्रताड़ित करने जा रही है, यह कृत्य अत्यंत निंदनीय है।

केंद्र सरकार को अपनी दुष्ट मानसिकता सुधारनी चाहिए और सत्यपाल मलिक पर अत्याचार बंद करना चाहिए।

सच्चाई बर्दाश्त नहीं करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछने वालों के खिलाफ वह आईटी, ईडी और सीबीआई को बलपूर्वक बंद कराने की कोशिश करते रहते हैं। लेकिन देश की जनता सब देख रही है। जनता परिपक्व है वह सभी गुप्त योजनाओं को समझ रही है।

अयोध्या से लौट रही ट्रेन को जलाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगर। अयोध्या से कर्नाटक लौट रही ट्रेन को जलाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह घटना गुरुवार रात उस वक्त घटी, जब राम मंदिर के दर्शन कर अयोध्या से बड़ी संख्या में श्रद्धालु लौट रहे थे। इस बीच ट्रेन जैसे ही होसपेट रेलवे स्टेशन पर रुकी, तो अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े चार युवकों ने श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित बोगी नंबर 2 में जबरन घुसने की कोशिश की।

जब यात्रियों ने उन युवकों को घुसने से मना किया, तो दोनों के बीच विवाद पैदा हो गया। इस दौरान कथित तौर पर युवकों ने धमकी दी कि यह ट्रेन उनके पिता की संपत्ति नहीं है। अगर कोई उन्हें ट्रेन मे चढ़ने से रोकेगा, तो वो इसे आग के हवाले कर देंगे। इसके बाद यात्रियों ने युवकों की

कर्नाटक का शख्स गिरफ्तार

तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस ने मामले में हस्तक्षेप किया। इसके बाद युवकों को अन्य बोगी में यात्रा करने की इजाजत दी गई, लेकिन श्रद्धालुओं ने ट्रेन से उतरकर आरोपियों के खिलाफ नारेबाजी कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। बजरंग दल सहित अन्य हिंदू संगठनों को जैसे ही इसके बारे में जानकारी मिली, तो वे भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विजयनगर के एसपी श्रीहरि बाबू बी.एल भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने यात्रियों और हिंदू संगठनों को आश्वस्त किया कि बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इसके बाद श्रद्धालुओं ने ट्रेन में चढ़कर अपनी यात्रा जारी रखी। इस बीच आरोपी घटनास्थल से बच निकले। आरोपियों की पकड़ के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

तीर्थयात्रियों को धमकी देने वालों को पकड़कर बंद करना चाहिए : प्रह्लाद जोशी

हुब्बल्ली। केन्द्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्य सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि अयोध्या से आने वाली ट्रेन में आग लगाने की बात कहने वाले आरोपियों को राज्य सरकार को चाहिए कि पकड़कर जेल में डालना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जहां भी कांग्रेस सरकार है वह इस तरह की बातों को बढ़ावा देती है। सरकार की ढिलाई के चलते ही ऐसी घटनाएं होती हैं। सरकार की लचर नीति के कारण तीर्थयात्रियों पर हमले और धमकी के मामले बढ़ रहे हैं।मंत्री ने होसपेट में अयोध्या तीर्थयात्रियों को धमकी के मामले की कड़ी निंदा की और मांग की कि कांग्रेस सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

कर्नाटक की सभी सीटें जीतने को लेकर भाजपा नेताओं की हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कर्नाटक में चार टीमें बनाई गई हैं और ये सभी टीमें अगले हफ्ते से अपना दौरा शुरू करेंगी। बीजेपी के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि केंद्र के नेता एक साथ आएंगे। शुक्रवार को हुई बैठक में मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कर्नाटक प्रभारी राधामोहनदास अग्रवाल उपस्थित थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजेन्द्र येडीयुरप्पा की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक हुई।

जिसमें राज्य की 28 में से 28 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया। केन्द्र के नेता हर लोकसभा क्षेत्र में एक दिवसीय दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि पांच स्तरीय कार्यक्रम होंगे।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही आ चुके हैं और कलबुर्गी क्लस्टर में एक बैठक कर चुके हैं, जिसमें 2 लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। एक अन्य प्रश्न का उत्तर दिया गया कि क्लस्टर दौरे की तारीखें जल्द ही तय की जाएंगी और निर्धारित केंद्रीय नेता एक दिन का समय पूरी तरह से क्लस्टर को समर्पित करेंगे। केंद्र के नेता पहले ही अपने सर्वेक्षण के माध्यम से रिपोर्ट दे चुके हैं। सभी कार्यकर्ताओं की राय ले ली गयी है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि किसी भी लोकसभा क्षेत्र में कोई भ्रम की स्थिति नहीं है।

इस बैठक में केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद डी.वी. सदानंद गौड़ा, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंदा कारजोल, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद नलिन कुमार कटील, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि एवं प्रमुख लोग उपस्थित थे।

गोधरा शैली में ट्रेन जलाने की धमकी की व्यापक जांच हो : सीटी रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने गोधरा शैली में ट्रेन जलाने की धमकी की व्यापक जांच की मांग की है। शुक्रवार को शहर के एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने बताया कि गुरुवार रात होसपेट में अयोध्या से मैसूरु जा रही एक विशेष ट्रेन में एक कट्टरपंथी सवार हुए। उन्होंने अयोध्या से लौट रहे रामभक्तों को धमकाया और साथ ही ट्रेन में आग लगाने की बात कही। रवि ने बताया कि आरोपियों को रामभक्तों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया लेकिन पुलिस ने उन्हें जाने दिया। जिसका स्टेशन पर रामभक्तों ने विरोध किया। रामभक्त सभी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सीसीटीवी से मिली जानकारी से यह साफ जाहिर होता है कि आरोपियों को रामभक्तों ने पकड़ा था। सीटी रवि ने कहा कि यह नहीं

सोचना चाहिए कि गोधरा की तर्ज पर ट्रेन में आग लगाकर नरसंहार करने की धमकी का मूड अचानक ही आ गया। उन्होंने इस घटना का विश्लेषण कर बताया कि यह एक साजिश है।

सीटी रवि ने बताया कि वाराणसी के ज्ञानव्यापी के संबंध में न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले के विरोध में रामनगर में एक वकील द्वारा जिस भाषा का प्रयोग किया गया और अब होसपेट स्टेशन पर जो कृत्य हुआ है इसे अलग-अलग घटना के रूप में नहीं देखना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे साजिश की बात कही। रवि ने कहा कि आपदा होने से पहले ही सतर्क होना चाहिए। स्टेशन पर उपस्थित पुलिस द्वारा जो लापरवाही बरती गई है उसपर तुरन्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

रवि ने कहा कि एआईसीसी के महासचिव हरिप्रसाद राज्यसभा के सदस्य भी रहे हैं। उन्होंने जो कहा था वह सभी को ज्ञात है और आज जो हुआ वह भी सभी के सामने है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है। इसलिए न केवल होसपेट में गिरफ्तार व्यक्ति बल्कि परिषद के सदस्य हरिप्रसाद की भी जांच की जानी चाहिए।

बेंगलूरु में शुक्रवार को विकास सौधा में कौशल विकास और आजीविका विभाग द्वारा आयोजित समारोह में 29 फरवरी से शुरु होने वाले 'सरस मेला 2024' और 'अक्का कैफे' लोगो का अनावरण किया गया।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरस मेला 29 से

- 10 दिवसीय मेला नेशनल कॉलेज ग्राउन्ड में
- शिल्पकारों के उत्पाद मेले में होंगे प्रदर्शित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में, राज्य 29 फरवरी से 9 मार्च तक यहां नेशनल कॉलेज ग्राउंड में राष्ट्रीय सरस मेला और मेगा राष्ट्रीय प्रदर्शनी और व्यापार मेला आयोजित करेगा। शुक्रवार को विकास सौधा में एक समारोह में 'नम्मा सरस मेला 2024' और 'अक्का कैफे' के लोगो का अनावरण उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कौशल विकास और आजीविका मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल, विधायक एसटी सोमशेखर, नेलमंगला के विधायक श्रीनिवासैया, पुलकेशीनगर के विधायक ए.सी. श्रीनिवास, विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव उमा महादेवन, निदेशक राष्ट्रीय आजीविका मिशन श्रीविद्या उपस्थित थे।

लोगो का अनावरण करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि मेले का आयोजन कौशल विकास एवं आजीविका विभाग द्वारा किया जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत यह मेगा प्रदर्शनी और व्यापार मेला 29 फरवरी से 9 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। डॉ. पाटिल ने कहा, सरस मेला एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है और मेले में 250 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों के भाग लेने और अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इस मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार करेंगे। मंत्री ने कहा कि पूरे कर्नाटक में स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प और खाद्य उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा और प्रसिद्ध कलाकार भी प्रदर्शन करेंगे। हम इस मेले पर जोर दे रहे हैं क्योंकि हमारी सरकार का मानना है कि केवल महिलाएं ही बदलाव ला सकती हैं। मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने बताया कि मेले में अन्य राज्यों की महिला स्वयं सहायता समूह 100 जबकि कर्नाटक की महिलाएं 150 स्टॉल लगायेंगी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि सरकार बेंगलूरु में पूरे साल ऐसी प्रदर्शनियां और व्यापार मेले आयोजित करने के लिए एक स्थायी स्थान की तलाश कर रही है।

सांप के जहर को बेअसर करने में सक्षम कृत्रिम एंटीबॉडी विकसित

बेंगलूरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के वैज्ञानिकों ने कृत्रिम मानव एंटीबॉडी (सिंथेटिक ह्यूमन एंटीबॉडी) विकसित की है जो अत्यधिक जहरीले सांपों के जहर को बेअसर कर सकती है। यह कृत्रिम एंटीबॉडी प्राणीविज्ञान के सरीसृप समुदाय की एलैपिड फैमिली में आने वाले कोबरा, किंग कोबरा, करैत जैसे सांपों के जहर 'न्यूरोटॉक्सिन' को बेअसर कर सकती है। न्यूरोटॉक्सिन तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। आईआईएससी के स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट और सेंटर फॉर इकोलॉजिकल साइंसेज (सीईएस) के इवोल्यूशनरी वेनोमिक्स लैब (ईवीएल) की टीम ने जहर को बेअसर करने वाले एंटीबॉडी के संश्लेषण के लिए वही पहल अपनाई जिसे पहले एचआईवी और कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी की जांच के लिए इस्तेमाल किया गया था।

जीएसटी से जुड़े मुद्दों को लेकर बायोकॉन पर तीन करोड़ से अधिक का जुर्माना

बेंगलूरु/नई दिल्ली। बायोकॉन लि. पर जीएसटी से संबंधित मुद्दों को लेकर तीन करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। बायोकॉन लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि कंपनी को 22 फरवरी 2024 को संभागीय जीएसटी कार्यालय (बेंगलूरु) के वाणिज्यिक कर उप आयुक्त के कार्यालय से 3,03,78,465 रुपये के जुर्माना से जुड़ा नोटिस मिला।

कंपनी के अनुसार, वह इस मामले में उचित कदम उठाने की तैयारी कर रही है। इसमें अपीलीय न्यायाधिकरण में आवश्यक अपील दाखिल करना आदि शामिल है। बायोकॉन लिमिटेड ने कहा कि इसका कंपनी पर कोई वित्तीय असर नहीं होगा।

राजस्थानियों के यहां चोरी करने वाला गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शेषाद्रीपुरम् पुलिस ने असम मूल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 करोड़ रुपए से भी अधिक मूल्य के आभूषण एवं अन्य कीमती वस्तुओं को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार असम मूल का यह व्यक्ति बेंगलूरु के मारवाड़ी परिवारों को अपना निशाना बनाकर उनके यहां चोरी को अंजाम देकर करोड़ों रुपए लेकर फरार हो जाता था। यहां से चुराया हुआ माल वह असम में जाकर बेचता था और कुछ समय के बाद वापस बेंगलूरु आता था। यह व्यक्ति असम से बेंगलूरु ट्रेन से आता है और मैजेस्टिक क्षेत्र में रुकता है। यहां एक होटल में रूम लेता है और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मारवाड़ियों के घरों की रैकी करता है। सुबह, शाम और रात के समय बंद रहने वाले घरों की रैकी कर मौका देखकर घरों में चोरी की वारदात करता था। कुछ दिनों पहले एक मारवाड़ी के यहां दो किलो सोने के आभूषण और अन्य अमूल्य वस्तुएं चोरी कर उन्हें असम में बेच दिए थे।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने हिण्डोली में सुनी आमजन की परिवेदनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को बूंदी जिले के हिंडोली बाईपास पर आमजन की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान कर शीघ्र राहत दी जाएगी। जनसुनवाई के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य, सोच और विजन से देश को विश्वभर में मान सम्मान मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच और विजन के तहत अंतिम छोर पर खड़े आदमी को लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राहत देकर समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री को एनएच-148 डी पर हिण्डोली से नैनवां के बीच रोडवेज बस की सुविधा शुरू करवाने की बात कही। इस पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही उनकी समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा। इस दौरान उप मुख्यमंत्री का हिण्डोली बाईपास तथा सथूर मोड़ पर माल्यार्पण कर स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे ।

मथुरा-काशी जैसे मसलों का समाधान अदालतों के बाहर ढूंढने का प्रयास हो : अजमेर दरगाह के दीवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर दरगाह के आध्यात्मिक प्रमुख और वंशानुगत सज्जादानशीन हजरत दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक दलों को मथुरा-काशी जैसे मसलों का समाधान अदालतों के बाहर ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी मसला आपसी सहमति से सुलझाया जाता है तो यह समुदायों का दिल और विश्वास जीतेगा। अजमेर दरगाह के दीवान यहां अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन काउंसिल की राजस्थान इकाई द्वारा आयोजित 'पैग़ामे-ए-मोहब्बत हम सब का भारत' सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना अपनाकर विश्व में शांति बहाल करने में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत विश्व शांति में अपनी भूमिका निभा रहा है तो हम अपने देश के आंतरिक मसलों का अदालतों के बाहर शांति पूर्वक समाधान निकालने में सक्षम क्यों नहीं? हम सक्षम हैं। बस एक मजबूत पहल की जरूरत है।

एक बयान के अनुसार उन्होंने काशी और मथुरा जैसे मसलों का हल अदालतों के बाहर मिल-जुल कर निकालने का प्रयास करने की अपील की। इसके अनुसार सीएए पर अपनी राय रखते हुए दरगाह प्रमुख ने यह भी कहा, आज हम एक बात और साफ करना चाहते है कि पिछले कुछ साल में मुसलमानों को गुमराह किया गया और डराया गया कि सीएए कानून से भारत के मुसलमानों की नागरिकता छीनने की कोशिश हो रही है। जबकि वास्तविकता कुछ और है। अधिनियम के प्रावधानों के विस्तृत विश्लेषण के बाद, हमने पाया कि कानून का भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है और यह उन पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा, बल्कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश में पीड़ित और सताए हुए अल्पसंख्यक प्रवासियों को लाभ पहुंचाएगा जो भारतीय नागरिकता चाहते हैं।

पिकअप पलटने से दो महिलाओं की मौत

भरतपुर। राजस्थान में सवाईमाधोपुर जिले के मलारनाडूंगर क्षेत्र में भाड़ौती - मथुरा राजमार्ग पर बहतेड़ ईदगाह के पास एक पिकअप के पलटने से दो महिलाओं की मौत हो गई तथा 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पिकअप में सवार सभी लोग गंगापुरसिटी में मिर्जापुर के एक ही परिवार के सदस्य बताए गए है जो बूंदी जिले के कोटखेड़ा से गोद भराई की रस्म कर कल रात को वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बहतेड़ ईदगाह के पास पिकअप पलट गई।

पुलिस ने घायलों को मलारनाडूंगर सीएचसी में भर्ती कराने के साथ दोनों मृतकाओं के शवों को सीएचसी के मुर्दाघर में रखवाया है। चार घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें गंगापुरसिटी के हायर सेंटर रैफर कर दिया गया।

पूजा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उत्तरप्रदेश के सीतापुर में नैमिषारण्य स्थित 108 शक्तिपीठों में शामिल ललिता देवी मंदिर पहुंचे। शर्मा ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित उत्तर प्रदेश के स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गहलोत ने राजस्थान सरकार से राजीव गांधी स्कालरशिप तत्काल देने की मांग की

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजीव गांधी स्कालरशिप योजना में चयनित बच्चों को इसकी राशि तत्काल देने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भी लिखा। गहलोत ने सोशल मीडिया पर लिखा,हमारी सरकार द्वारा 500 बच्चों को विदेश में नि:शुल्क पढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना भी नई सरकार में अटक गई है। इससे विदेश में पढ़ाई कर रहे बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 346 विद्यार्थियों को योजना में चयन के बावजूद स्कॉलरशिप नहीं मिल पा रही है। गहलोत के अनुसार उनसे मिलने आए विद्यार्थियों ने उन्हें यह जानकारी दी। गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस बारे में पत्र लिखा था।

पूर्व मुख्यमंत्री का कहना था कि अब पुन: विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों ने मिलकर बताया है कि एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उन्हें स्कॉलरशिप नहीं मिली है। गहलोत ने कहा,मैं मुख्यमंत्री भजनलाल जी से पुन: आग्रह करना चाहूंगा कि अविलंब राजीव गांधी स्कॉलरशिप विद्यार्थियों को दी जाए क्योंकि जो विद्यार्थी पहले ही पहुंच चुके हैं उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तय समय के बाद भी स्कॉलरशिप नहीं आने से इन बच्चों की शिक्षा एवं करियर दोनों पर असर पड़ेगा।

देश में तानाशाही का राज, प्रजातंत्र खतरे में : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में तानाशाही का राज है। उन्होंने यह भी कहा कि जनता अब भी नहीं संभली तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और आगे आने वाले समय में चुनाव नहीं होगा। वह दौसा में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं

पदाधिकारियों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की। डोटासरा ने कहा,आज हमारे लिए तेरा-मेरा करने का समय नहीं है। अब हमें देश की ओर देखना है। देश किस दिशा में जा रहा है? क्या होने जा रहा है? क्या देश फिर गुलामी की ओर जा रहा है? देश में तानाशाही का राज है। देश में कोई बोल नहीं सकता। प्रजातंत्र खतरे में है। देश में कोई सुनने वाला नहीं है। देश में गरीब, और गरीब होता जा रहा है। प्रजातंत्र खतरे में है। गरीब और अमीर की खाई बढ़ती जा रही है। उन्होंने भाजपा पर बरसते हुए कहा,उसने झूठ बोल बोलकर राज ले लिया । अगर अब भी हम नहीं संभले तो यह देश जिस दिशा में जा रहा है, वैसे में मैं दावे के साथ कहता हूं कि लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। आगे आने वाले समय में चुनाव नहीं होगा। यह बात हमें समझनी होगी।

मोदी 26 को करेंगे 17 रेलवे फ्लाई ओवर एवं अंडरपास का शिलान्यास

अजमेर/दक्षिण भारत । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को राजस्थान में उत्तर पश्चिमी रेलवे के अजमेर मंडल के अधीन छह अमृत भारत रेलवे स्टेशनों तथा 17 रेल फ्लाईओवर एवं अंडरपास का शिलान्यास करेंगे। रेल मंडल प्रबंधक राजीव धनखड़ ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि वर्तमान में अजमेर मंडल सहित उत्तर पश्चिम रेलवे में रेल विकास की विभिन्न परियोजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। इसी कड़ी मे अजमेर मंडल के छह स्टेशनों का अमृत स्टेशन के रूप में विकास एवं 17 आरओबी/आर यू बी/सबवे का शिलान्यास एवं लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 26 फरवरी को किया जाएगा।

अजमेर मंडल के छह स्टेशनों में अजमेर, ब्यावर, फतेहनगर, जवाई बांध, रानी और सोमेसर स्टेशन शामिल है जिन्हें अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दिन मोदी अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत सम्पूर्ण भारतीय रेल के 554 रेलवे स्टेशन का शिलान्यास और एक स्टेशन का लोकार्पण और 1500 रेल फ्लाई ओवर.रेल अण्डरपास का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे, जिसमें उत्तर पश्चिम रेलवे के 24 स्टेशन शामिल है। अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत इन स्टेशनों पर कई विकास कार्य किए जाएंगे। अलग प्रवेश और निकास द्वार के साथ सर्कुलेटिंग क्षेत्र का विकास, ऑटो, दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग, यात्रियों को उतारने और चढ़ाने के लिए पोर्च, मुख्य प्रवेश द्वार पर पोर्च सहित नया स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, दिव्यांगजनों के लिए सुविधायुक्त शौचालय तथा 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

भू-विरासत स्थल के रूप में विकसित होगा रामगढ़ क्रेटर क्षेत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग कि विशिष्ठ शासन सचिव श्रीमती मोनाली सेन ने कहा कि राजस्थान के बारां जिले में स्थित रामगढ़ क्रेटर एक अद्वितीय भूवैज्ञानिक स्थल है। रामगढ़ क्रेटर भारत और दुनिया के कुछ पुष्टिकृत उल्का प्रभाव क्रेटरों में से एक है। रामगढ़ क्रेटर विंध्य पर्वतमाला के पठार में स्थित है, जो जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र है और सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से यह क्रेटर भंड देव मंदिर का भी घर है, जो 10वीं शताब्दी का शिव मंदिर है, वहीं खजुराहो स्मारक समूह, जो कलात्मक और स्थापत्य उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है अतः रामगढ़

क्रेटर को भू विरासत के रूप में विकसित किया जाना न केवल समय की मांग है बल्कि पर्यटन एवं विरासत संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

विशिष्ठ शासन सचिव श्रीमती मोनाली सेन शुक्रवार को सचिवालय में रामगढ़ क्रेटर, बारां को जियो हेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने के लिए विचार विमर्श करने हेतु बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रामगढ़ क्रेटर के विकास के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा जो इसकी तैयारी के लिए जिम्मेदार होगी साथ ही यूनेस्को भू-विरासत स्थल और भू-पार्क के लिए दस्तावेज़ भी तैयार किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सभी हितधारक विभागों द्वारा रामगढ़ क्रेटर का एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जाएगा जिसके तहत मार्च 2024 के अंत तक इसे जियो पार्क के रूप में विकसित करने के लिए योजना तैयार की जाएगी। इसी के साथ रामगढ़ क्रेटर को राज्य भू-विरासत पार्क घोषित करने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एक अनूठी पहल है, यदि यह योजना सफल होती है तो रामगढ़ क्रेटर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र का पहला जियो हेरिटेज पार्क होगा। बैठक में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के वरिष्ठ अधिकारी , पर्यटन विभाग, भारतीय वन्यजीव संस्थान सी2सी, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारत के (जीएसआई) और यूनेस्को जियो-पार्क अवधारणा के क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल थे।

मीडिया का साथ लिए बगैर देश विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी ने मीडिया के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा है कि मीडिया का साथ लिए बगैर देश विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। चौधरी शुक्रवार को यहा केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जयपुर स्थित पत्र सूचना कार्यालय की ओर से आयोजित क्षेत्रीय मीडिया सम्मेलन 'वार्तालाप' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया देश को विकसित राष्ट्र बनाने में महती भूमिका निभाये और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार राष्ट्र निर्माण जो हम सब का दायित्व है उसे पूरा करे।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में आज देश ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां पूरी दुनियां की निगाह भारत पर है । आर्थिक रूप से विश्व में 11 से 5 वें स्थान पर आना सबके लिए गौरव की बात है। उन्होंने सिलसिलेवार मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और फ्लैगशीप योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने गरीब को गणेश मानकर काम किया है। अजमेर लोकसभा क्षेत्र में भी विकास के अनेकों काम हुए है।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर डा. भारती दीक्षित ने कहा कि मीडिया स्वयं की प्रतिष्ठा और समाज हित में विश्वसनीय और तथ्यात्मक समाचार ही प्रकाशित-प्रसारित करे, जो लिखे..सही लिखे। अजमेर की मीडिया सबसे अच्छी है , जनता तक सकारात्मक समाचार पहुंचाना मीडिया की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के डीआईजी अनिल कुमार सिंह ने कहा है कि सकारात्मक समाचारों से राष्ट्र निर्माण में सहभागिता रहती है।

महिला सशक्तिकरण के बिना कोई देश आगे नहीं बढ़ सकता : पटेल

जयपुर। विधि न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में राजीविका के द्वारा जोधपुर जिले की पंचायत समिति मण्डोर के सभागार में पंचायत समिति लूणी, धवा, मण्डोर, कैरू का शक्ति वन्दन स्वयं सहायता समूह सखी सम्मान समारोह हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान पंचायत समिति मण्डोर श्रीमती सुरता सेंगवा ने की एवं पूर्व जोधपुर जिला प्रमुख पुनाराम चौधरी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जोगाराम पटेल ने उपस्थित महिलाओं से आत्म संवाद करते हुए उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो, गतिविधियों एवं उत्पादन की जानकारी लेने के साथ-साथ समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला उत्थान की अनेकों योजनाएं लागू की है।

राजीविका महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का कार्य लम्बे समय से कर रहा है। देश की आधी आबादी महिलाऐं है। महिला सशक्तिकरण के बिना कोई देश आगे नहीं बढ़ सकता। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कार्य करने के लिए कार्यशाला भवन का निर्माण एवं ऋण पर ब्याज कम करने की मांग की गई जिस पर पटेल ने मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने एवं स्वीकृत कराने का भरोसा दिलाया।

किशनगढ में शुक्रवार को वीर तेजस्वी श्री तेजाजी महाराज की जयंती पर सुरसुरा धाम (किशनगढ़) पहुंचकर मंदिर में पूजा अर्चना करते पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया।

राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने मनोहर जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि विकास के लिए किए गए उनके कार्य सदा याद रखे जाएंगे। जोशी का शुक्रवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया।

पैलेस ऑन व्हील पर अब होगी डेस्टीनेशन वैडिंग्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से नवाचार किए जा रहें हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग में प्रदेश को सिरमौर बनाने के लिए अब राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) ने भी कदम बढ़ाए हैं। जिसके परिणाम स्वरुप जल्द ही दुनिया की सबसे सुन्दर और लग्जरी ट्रेन में शुमार पैलेस ऑन व्हील्स को अब डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। यही नहीं वैवाहिक गठबंधन में बंधने वाले जोड़े पैलेस ऑन व्हील्स में प्री और पोस्ट वेडिंग शूट भी करवा सकेंगे।

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री, पर्यटन दीया कुमारी के अनुसार पैलेस ऑन व्हील्स को डेस्टिशन वेडिंग के लिए उपलब्ध करवाना एक बड़ा निर्णय है। इससे न सिर्फ राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग को अत्यधिक बढ़ावा मिलेगा वहीं राजस्थानी कला व संस्कृति के

साथ वैदिक वैवाहिक रीति-रिवाजों के प्रति विदेशी सैलानियों में आकर्षण बढ़ेगा।

दीया कुमारी ने कहा कि पैलेस ऑन व्हील्स दुनिया की सबसे खूबसूरत और लग्जरी ट्रेनों में से एक है। पैलेस ऑन व्हील्स में डेस्टिनेशन वेडिंग करने वाले जोड़े अपनी जिन्दगी के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों को न सिर्फ यादगार बना सकेंगे वरन वे राजस्थान और भारत के लिए पर्यटक राजदूत की भूमिका भी निभा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य के पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं वैश्विक मानकों के अनुसार विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से कार्य किये जा रहे हैं। इससे प्रदेश की ओर विदेशी पर्यटक तो अधिक से अधिक रुख करेंगे ही साथ ही देशी सैलानी भी यहां आने के लिए आतुर होंगे। राजस्थान में देश की 75 प्रतिशत हैरिटेज प्रॉपर्टी हैं। यही कारण है कि पूरे देश में राजस्थान वेडिंग डेस्टिनेशन क्षेत्र में पहली पसंद बनता जा रहा है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर सहित राज्य के कई अन्य जिलों में भी किले, गढ़, हवेलियां इत्यादि हैं जो धीरे-धीरे डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए देशी-विदेशी सैलानियों को अपनी ओर खींच रहे हैं। यूं तो प्रदेश में अनगिनत हैरिटेज गढ़, हवेलियां, किले आदि हैं जिनमें 120 से अधिक गढ़, किले, हवेलियों पर डेस्टिनेशन वेडिंग की जा रही है। इस संख्या से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए कितना मुफीद है।

राजस्थान पर्यटन विभाग इन दिनों प्रसिद्ध और ख्यातनाम डेस्टिनेशन वेडिंग स्थानों के अतिरिक्त प्रदेश के दूसरे जिलों में स्थित हैरिटेज स्थलों को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने पर जोर दे रहा है। जहां पर लगातार डेस्टिनेशन वेडिंग हो रही हैं। देश में चाहे फिल्मी सितारे हो या फिर उद्योगपति यही नहीं हॉलीवुड के सितारे भी अपनी शादी को विवाहोत्सव में बदलने के लिए राजस्थान का रूख कर रहे हैं।

जयपुर में बैंक लूटने का प्रयास, कैशियर को गोली मारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में दो बदमाशों ने शुक्रवार सुबह सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक में लूट की कोशिश की और इस दौरान उन्होंने बैंक के कैशियर को गोली मार दी जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना झोटवाड़ा इलाके में पंजाब नेशनल बैंक में हुई। जैसे ही बैंक खुला दो नकाबपोश बदमाश घुस गए और उन्होंने वहां मौजूद तीन कर्मचारियों को बंदूक का भय दिखा कर एक कमरे में बैठा दिया और नकदी लूटने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान बैंक के कैशियर नरेंद्र सिंह वहां आ गए तो एक बदमाश ने उन पर गोली चला दी। पुलिस के अनुसार गोली कैशियर के पेट में लगी, उनका उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद बदमाशों ने भागने का प्रयास किया लेकिन एक पुलिस कांस्टेबल व लोगों की मदद से एक आरोपी को घटना स्थल पर ही पकड़ लिया गया, जबकि दूसरे को बाद में पकड़ा गया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया, कैशियर को देसी रिवाल्वर से गोली मारी जो उसके पेट में लगी। बदमाशों के पास एक देसी रिवाल्वर व एक नकली रिवाल्वर थी।

प्रधानमंत्री ने काशी को नए स्वरूप में वैश्विक मानचित्र पर प्रस्तुत किया है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि दस वर्ष के अंदर हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजना देकर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने काशी को नए स्वरूप में वैश्विक मानचित्र पर प्रस्तुत किया है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के करखियाव अमूल प्लांट परिसर में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की 35 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

इस मौके पर अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की प्रशंसा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा ''आज एक बार फिर हजारों करोड़ों की इन योजनाओं को लेकर प्रधानमंत्री का आगमन हुआ है। साढ़े छह सौ करोड़ की लागत से बनास डेयरी बनी है। यह किसानों व पशु पालकों के लिए आधुनिक तीर्थ जैसी है। उन्होंने कहा कि ''यह डेयरी आमदनी को बढ़ाने के साथ ही भारत की श्रद्धा को सम्मानित और संरक्षित करने का नया केंद्र बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा ''पांच सदी के बाद अयोध्या में रामलला के इंतजार को समाप्त करते हुए उनकी दिव्य मूर्ति को भव्य मंदिर में विराजमान कराने के उपरांत प्रधानमंत्री का काशी आगमन हुआ है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को नई दृष्टि व पहचान दी है और भारतवासी नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नया भारत वैश्विक मंच पर नागरिकों को सम्मान व सुरक्षा देता है तो समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करता है एवं उनकी आस्था और आजीविका का भी ध्यान रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को नई दिशा व नेतृत्व देने के साथ ही विकसित भारत के संकल्प संग देशवासियों को नए भारत के साथ जोड़ रहे हैं। बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया।

परिवारवादी पार्टियों को दलित आदिवासियों का बड़े पदों पर बैठना बर्दाश्त नहीं होता : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि परिवारवादी पार्टियां दलित आदिवासियों को आगे बढ़ने नहीं देना चाहतीं और दलित आदिवासियों का बड़े पदों पर बैठना इन्हें बर्दाश्त नहीं होता।

मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां सीरगोवर्धन में संत रविदास की 647वीं जयंती पर उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने संत रविदास का एक दोहा सुनाया और उसकी व्याख्या करते हुए कहा, ज्यादातर लोग जात-पात के फेर में उलझे रहते हैं, उलझाते रहते हैं, जात-पात का यही रोग मानवता का नुकसान करता है। उन्होंने किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा कि परिवारवादी पार्टियों की एक और पहचान यह है कि वे अपने परिवार से बाहर किसी भी दलित आदिवासी को आगे बढ़ने नहीं देना चाहतीं और दलित आदिवासियों का बड़े पदों पर बैठना इन्हें बर्दाश्त नहीं होता।

इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के चुनाव की याद दिलाई। प्रधानमंत्री ने कहा, आपको याद होगा जब वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनीं तो किन- किन लोगों ने उनका विरोध किया था, किन किन लोगों ने सियासी लामबंदी की। ये सबकी सब परिवारवादी पार्टियां थी, जिन्हें चुनाव के समय दलित, आदिवासी अपना वोट बैंक नजर आने लगता है। हमें इन लोगों से इस तरह की सोच से सावधान रहना है। दरअसल कांग्रेस के पूर्व

अध्यक्ष राहुल गांधी ने 16 फरवरी को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान चंदौली में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि राम मंदिर के उत्सव में प्रधानमंत्री मोदी, अंबानी, अडाणी और अन्य अरबपतियों के लिए लाल कालीन बिछा था, लेकिन वहां देश की आदिवासी राष्ट्रपति, गरीबों, दलितों, बेरोजगार युवाओं और किसानों के लिए जगह नहीं थी। मोदी ने संत रविदास की शिक्षा का हवाला देते हुए कहा कि ''जात, पात के नाम पर जब कोई किसी के साथ भेदभाव करता है तो वो मानवता का नुकसान करता है। अगर कोई किसी को जात पात के नाम पर भड़काता है तो वह भी मानवता का नुकसान करता है। उन्होंने दलितों-पिछड़ों को विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के प्रति भी आगाह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए आज देश के हर दलित को, हर पिछड़े को एक और बात ध्यान रखनी है कि हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले 'इंडी गठबंधन' के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का विरोध करते हैं। और सच्चाई यह है कि ये लोग जाति की भलाई के नाम पर अपने परिवार के स्वार्थ की राजनीति करते हैं।

प्रगति के लिए नेतृत्व अहम : नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रमुख वैश्विक ताकत बना भारत : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को यहां कहा कि विकास और प्रगति के लिए अच्छे नेतृत्व का होना महत्वपूर्ण है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की एक बड़ी ताकत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए लोगों का आह्वान करते हुए, नड्डा ने उनसे देश के 140 करोड़ लोगों की समृद्धि के लिए मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आग्रह किया।

भाजपा अध्यक्ष अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और अनुराग ठाकुर भी उपस्थित थे। नड्डा

ने कहा कि केंद्र सरकार देश के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और तीस साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए ऐहतियात, उपचार और पुनर्वास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासन के पिछले 10 वर्षों में की गई स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का विवरण साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि बिलासपुर में एम्स, ऊना में पीजीआई केंद्र और हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं वहीं, सिरमौर, चंबा और मंडी में भी मेडिकल कॉलेज खुलने की संभावना है।

अरुणाचल के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी, 70 पर्यटकों को बचाया गया

गुवाहाटी/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी के बाद सेला दर्रे से पर्यटकों और स्थानीय निवासियों सहित लगभग 70 लोगों को बचाया गया है। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सेला दर्रे में फंसे लगभग 70 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को निकालने के लिए अभियान चलाया। यह घटना तब हुई जब 22-23 फरवरी की रात कुछ वाहन दर्रा क्षेत्र में फंस गए और बीआरओ ने उन्हें बचाने के लिए अपने कर्मियों और उपकरणों का इस्तेमाल किया।

प्रवक्ता ने कहा कि टीम लोगों की जान बचाने के लिए रात भर भीषण ठंड (शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे) से जूझती रही और शुक्रवार की सुबह उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में सफल रही।

जदयू नेता नरेंद्र नारायण यादव बिहार विस के उपाध्यक्ष चुने गए

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइडेट (जद यू) के वरिष्ठ नेता नरेंद्र नारायण यादव शुक्रवार को बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यादव को सदन का उपाध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें बधाई दी। इस पद पर अपनी नियुक्ति के बाद पत्रकारों से बात करते यादव ने कहा, मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं मुख्यमंत्री और अन्य राजग नेताओं का आभारी हूं। मैं समझता हूं कि जिस पद के लिए मुझे चुना गया है उसका महत्व है। मैं सदन के सभी विधायकों को आश्वस्त करता हूं कि मैं अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाते हुए निष्पक्ष रहूंगा। नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष ने कहा, मैं सभी विपक्षी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि उन्हें महत्वपूर्ण प्रश्नकाल के दौरान सदन में व्यवधान पैदा नहीं करना चाहिए। उन्हें (विपक्षी सदस्य) विधानसभा सत्र के दौरान सदन के संचालन से संबंधित नियमों का पालन करना चाहिए।

प्रदर्शनकारी किसानों से रालोद प्रमुख जयंत ने कहा- धैर्य रखें, समाधान निकलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरोहा (उप्र)/भाषा। न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर किसानों के जारी विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख जयंत चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि किसानों को धैर्य रखना चाहिए और मुद्दे का समाधान जरूर निकलेगा। चौधरी ने पंजाब और हरियाणा की खनौरी सीमा पर पुलिस के साथ झड़प के दौरान एक युवा किसान की मौत पर अफसोस व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा, किसान धैर्य रखें, समाधान जरूर निकलेगा। हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।

अमरोहा पहुंचे चौधरी ने 24 दिसंबर को सड़क हादसे में जान गंवाने वाले हाकमपुर ग्राम प्रधान विशाल, राजन और मनोज के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। हाल में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राजग में शामिल होने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल में भागीदारी, लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पर सीबीआई छापे से जुड़े सवालों के जवाब में उन्होंने चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा, यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह यहां पीड़ित परिवारों के दुख में शामिल होने आए हैं, इसलिए राजनीति से जुड़े किसी भी सवाल पर चर्चा नहीं करेंगे। चौधरी ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच लोकसभा सीटों को लेकर हुए समझौते पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

ओडिशा के बरगढ़ जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के बरगढ़ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के पैकमल इलाके के एक जंगल के भीतर गंधमर्दन पहाड़ी पर माओवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने के बाद राज्य के एसओजी और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया, बरगढ़ जिले के पैकमल थाना क्षेत्र के अंतर्गत खंडीझारन गांव के समीप एक पहाड़ी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया और एक आईईडी, आठ बैग, कपड़े और खाने का सामान बरामद किया। इलाके में तलाशी अभियान अभी जारी है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी हालात का जायजा लेने के लिए तुरंत इलाके में पहुंचे, जो छत्तीसगढ़ से सटा हुआ है। बौध जिले के नालिकंपा जंगल में अभियान के दौरान एक आईईडी में विस्फोट हो गया था, जिसमें एसओजी के कुछ जवान घायल हो गए।

पुलिस भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर परीक्षार्थियों का आंदोलन, अखिलेश और प्रियंका का समर्थन

प्रयागराज/लखनऊ/भाषा। प्रदेश के विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के विरोध में प्रतियोगी छात्रों का आंदोलन यहां उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के गेट के सामने शुक्रवार को जारी रहा। उधर प्रतियोगी परीक्षार्थियों के समर्थन में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रतियोगी छात्र अभिनव द्विवेदी ने संवाददाताओं से कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित रूप से लीक होने के खिलाफ उनका आंदोलन जारी है और उनकी मांग है कि यह परीक्षा निरस्त की जाए तथा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत को हटाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परीक्षा के लिए दूसरे जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए जाने से यह गड़बड़ी हुई। उधर राजधानी लखनऊ में भी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा में पेपर लीक का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को हजारों अभ्यर्थियों ने लखनऊ के इको गार्डन में प्रदर्शन किया।

युवाओं के नाम पर युवाओं को ही बरगला रहे हैं प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में पेपर लीक के मुद्दे पर युवा सड़कों पर हैं, लेकिन प्रधानमंत्री युवाओं को बरगलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा, मोदी जी, नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग खुद 'होश' में नहीं हैं, वे युवाओं को 'नशेड़ी' कह रहे हैं।

मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के करखियाव अमूल प्लांट परिसर में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की 35 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता गांधी का नाम लिए बिना कहा, कांग्रेस के शाही परिवार के युवराज का कहना है, जिसे सुनकर आप चौंक जाएंगे, युवराज काशी की धरती पर आकर कह रहे हैं कि काशी के नौजवान, उत्तर प्रदेश के नौजवान नशेड़ी हैं। यह कैसी भाषा है भाई?''

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लखनऊ से लेकर प्रयागराज तक पुलिस भर्ती पेपर लीक को लेकर युवा सड़कों पर हैं। वहां से मात्र 100 किमी दूर वाराणसी में प्रधानमंत्री युवाओं के नाम पर युवाओं को ही बरगला रहे हैं। ठेठ बनारसी अंदाज में कहें तो मोदी जी 'नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं'।

केजरीवाल को कुछ दिन में गिरफ्तार कर सकती है सीबीआई : आप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने दावा किया कि सीबीआई अगले कुछ दिन में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है और शाम तक उन्हें नोटिस सौंपेगी।

आप ने यह नहीं बताया कि केजरीवाल को किस मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है, हालांकि पार्टी ने कहा कि ऐसा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से रोकने के लिए ऐसा किया जा रहा है क्योंकि भाजपा दोनों पार्टियों के साथ आने से डरी हुई है। आप के दावों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन भाजपा ने कहा कि आप के नेता भ्रम उत्पन्न करने और केजरीवाल के प्रति सहानुभूति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को कहा था कि कांग्रेस और आप के बीच लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में सीटों के बंटवारे को लेकर समझौता होने की संभावना है और दोनों पक्षों के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारश्रे ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जैसे ही कांग्रेस और आप के बीच सीट-बंटवारे की बातचीत को अंतिम रूप देने की खबरें आनी शुरू हुईं, ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को सातवां समन भेज दिया। उन्होंने आरोप लगाया, हमें विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि सीबीआई केजरीवाल को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। सीबीआई आज दोपहर या शाम तक केजरीवाल को नोटिस भी देगी। उन्होंने दावा किया कि दो से तीन दिन में केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ओडिशा सरकार ने मैकेनिक का पारिश्रमिक 62.5 प्रतिशत बढ़ाया

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को ओडिशा में स्वरोजगार कर रहे सभी मैकेनिक के पारिश्रमिक में 62.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ग्राम पंचायतों में काम करने वाले इन मैकेनिक का पारिश्रमिक 4,000 रुपए से बढ़ाकर 6,500 रुपए कर दिया गया है। इस कदम से लगभग 13,000 लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पारिश्रमिक बढ़ाने का निर्णय 5टी (परिवर्तन) और नबीन ओडिशा के अध्यक्ष वीके पांडियन की विभिन्न जिलों की यात्रा के दौरान मैकेनिक और उनके प्रतिनिधियों के अनुरोध और सुझाव पर लिया गया। ये मैकेनिक राज्यभर के गांवों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में सहायक हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो प्रकार के स्वरोजगार करने वाले मैकेनिक हैं- एक वे जो नल से जल की आपूर्ति के लिए काम करते है और दूसरे ट्यूबवेल के रखरखाव और मरम्मत से जुड़े हैं।

बंगाल : होटल में 'देह व्यापार गिरोह' चलाने के आरोप में भाजपा नेता और अन्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावड़ा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता और 10 अन्य लोगों को हावड़ा जिले के एक होटल में देह व्यापार रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय भाजपा नेता सब्यसाची घोष और उनके 10 सहयोगियों को बृहस्पतिवार शाम को संकरेल इलाके के एक होटल पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया।

संदेशखालि में अपने नेताओं द्वारा महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को, उसके नेता की देह व्यापार में गिराफ्तारी को लेकर आड़े हाथ लिया।

तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, भाजपा नेता सब्यसाची घोष नाबालिग लड़कियों से हावड़ा के संकरेल इलाके के होटल से देह व्यापार कराते हुए पकड़े गए हैं। पुलिस ने 11 आरोपियों और छह पीड़िताओं को मौके से पकड़ा है। यह भाजपा है। वे बेटी की रक्षा नहीं करते, वे दलालों की रक्षा करते हैं।

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई की ओर से अबतक मामले में प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मुश्किलों भरे सफर के बाद आखिर आकाशदीप का सपना साकार हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां चौथे टेस्ट में पदार्पण करने वाले आकाशदीप की मां लाडुमा देवी अपने बेटे को पदार्पण 'कैप' मिलते देखकर भावुक हो गई जिससे उनकी आंखों में आंसू के साथ गर्व भी देखा जा सकता था। जब गुरुवार को आकाशदीप ने अपनी मां को फोन कर कहा, मां, मैं कल भारत के लिए टेस्ट पदार्पण करना होगा और तुम्हें आना होगा। तो वह कुछ घंटों में 300 किमी की यात्रा करते हुए बिहार के रोहतास जिले के बड्डी गांव से रांची के जेएससीए स्टेडियम पहुंच गईं। उनके साथ आकाशदीप की दो भतीजी और उनका चचेरा भाई बैभव कुमार भी मौजूद थे।

तेज गेंदबाज आकाशदीप ने पहली ही घंटे में इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन पहुंचाकर अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया, इससे लंच तक मेहमान टीम का स्कोर पांच विकेट पर 112 रन था। बेटे के प्रदर्शन पर फक्र महसूस कर रहीं उनकी मां ने पीटीआई से कहा, उसके पिता हमेशा उसे सरकारी अधिकारी बनाना चाहते थे लेकिन क्रिकेट उसका जुनून था और मैं उसका हमेशा साथ दिया। मैं उसे छुपकर क्रिकेट खेलने भेज देती थी। उन्होंने कहा, उस समय अगर कोई सुनता कि तुम्हारा बेटा क्रिकेट खेल रहा है तो वे कहते, ये तो आवारा मवाली ही बनेगा'। लेकिन हमें उस पर पूरा भरोसा था और छह महीने के अंदर मेरे मालिक (पति) और बेटे के निधन के बावजूद हमने हार नहीं मानी क्योंकि हमें आकाशदीप पर भरोसा था। आकाशदीप के पिता रामजी सिंह सरकारी हाई स्कूल में 'फिजिकल एजुकेशन' शिक्षक थे और वह कभी भी अपने बेटे को क्रिकेटर नहीं बनाना चाहते थे।

सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें लकवा मार गया और पांच साल तक बिस्तर पर रहे। उन्होंने फरवरी 2015 में अंतिम सांस ली। इसी साल अक्टूबर में आकाशदीप के बड़े भाई धीरज का निधन हो गया। इसके बाद अब बड़े भाई की पत्नी और उनकी दो बेटियों की जिम्मेदारी भी उनके ही ऊपर थी।

रणजी ट्रॉफी : मुंबई के संकटमोचक बने मुशीर खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के अंडर 19 विश्व कप स्टार मुशीर खान ने पहला प्रथम श्रेणी शतक जमाकर मुंबई को संकट से निकाला और बडौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन मेजबान ने पांच विकेट पर 248 रन बना लिए। 18 वर्ष के मुशीर ने दक्षिण अफ्रीका में अंडर 19 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाए। मुशीर ने 216 गेंद में 10 चौकों की मदद से नाबाद 128 रन बनाए। उन्होंने दो अहम साझेदारियां भी करके मुंबई को संकट से निकाला जिसके चार विकेट एक समय 99 रन पर गिर गए थे।

भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर को चोटिल हरफनमौला शिवम दुबे के विकल्प के तौर पर अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। बडौदा के अनुभवी भार्गव भट ने 82 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पृथ्वी साव (33), भूपेन लालवानी (19) और अजिंक्य रहाणे के विकेट चटकाए। मुशीर ने तीसरे नंबर पर उतरकर पांचवें विकेट के लिए सूर्यांश शेडगे के साथ 43 रन की साझेदारी की। इसके बाद हार्दिक तामोर के साथ छठे विकेट के लिए 106 रन जोड़े। इससे पहले खिलाड़ियों ने मुंबई क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। मुंबई के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर मैच खेला।

सुविचार

एक खूबसूरत एहसास है जिंदगी, एक खुली किताब है जिंदगी, जिंदगी जरा सही से जी कर तो देखो, एक अनसुनी हकीकत है जिंदगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नाम में क्या रखा है?

पश्चिम बंगाल के एक चिड़ियाघर में शेर और शेरनी के विवादास्पद नाम रखे जाने से परहेज करना चाहिए था। इस संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ द्वारा यह कहा जाना कि 'विवाद टालने के लिए शेर और शेरनी के नाम क्रमशः 'अकबर' और 'सीता' रखने से बचना चाहिए था', पश्चिम बंगाल चिड़ियाघर प्राधिकरण के लिए बड़ा झटका है। क्या उसके अधिकारी यह नहीं जानते कि 'सीता' कोई सामान्य नाम नहीं है? वे करोड़ों-करोड़ों लोगों की आराध्या हैं, माता हैं। क्या चिड़ियाघर में जानवरों के लिए नामों की कमी पड़ गई थी? चिड़ियाघर के अधिकारी एक सामान्य-सा शब्दकोश देख लेते, जिसमें हजारों नाम मिल जाते। कुछ लोग इसे 'सेकुलरिज्म' से जोड़कर देख रहे हैं। 'सेकुलरिज्म' का मतलब होना चाहिए- हर धर्म और उसके प्रतीकों का सम्मान करना, न कि उनकी दिव्य विभूतियों के नामों का मनमाने तरीके से इस्तेमाल करना। यह कहा जा रहा है कि ये शेर-शेरनी त्रिपुरा के सिपाहीजाला प्राणी उद्यान से सिलीगुड़ी के बंगाल सफारी पार्क में 12 फरवरी को लाए गए थे। उनके पहले से ही ये नाम रखे हुए थे। प. बंगाल सरकार की ओर से पेश वकील ने भी दावा किया कि दोनों जानवरों के नाम त्रिपुरा में रखे गए थे। उन्होंने इसके सबूत के तौर पर दस्तावेज उपलब्ध होने की बात कही। अगर ऐसा है तो प. बंगाल द्वारा उक्त शेर-शेरनी को स्वीकार किए जाने से पहले या स्वीकार किए जाने के दौरान ही आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी। इसके बाद अधिकारी खुद ऐसे नाम रख सकते थे, जो इन जानवरों के लिए उचित प्रतीत होते। यह स्पष्ट रूप से संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की 'उदासीनता' का मामला है। हम अपने घरेलू या मोहल्ले के पालतू जानवरों के नाम रखते हुए भी सावधानी बरतते हैं। इस बात का खास ध्यान रखते हैं कि नामकरण से किसी व्यक्ति या परिवार की भावनाएं आहत न हों। ऐसे में चिड़ियाघर के किसी जानवर का नाम माता सीता के नाम पर कैसे रखा जा सकता है?

भारत में रहने वाले हर अधिकारी-कर्मचारी से यह उम्मीद जरूर की जाती है कि उन्हें देश की संस्कृति, इतिहास, धार्मिक मान्यताओं, परंपराओं आदि की पर्याप्त जानकारी हो। उक्त मामले को अदालत में ले जाने की नौबत ही नहीं आनी चाहिए थी। बेहतर तो यह होता कि दोनों जानवरों के नाम सार्वजनिक होने से पहले ही बदल दिए जाते। वह उन अधिकारियों की अक्लमंदी कहलाती। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने मामले की सुनवाई करते हुए जो प्रश्न पूछा, वह अत्यंत प्रासंगिक है- 'क्या किसी जानवर का नाम देवताओं, पौराणिक नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों या नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम पर रखा जा सकता है?' लोग अपने घर के बड़े-बुजुर्गों के नाम पर भी जानवरों के नाम रखना पसंद नहीं करेंगे। जो लोग इस पूरे मामले पर यह टिप्पणी कर रहे हैं कि 'नाम में क्या रखा है', तो क्या वे 'अपना' या 'अपनों का' ऐसा नाम रखना पसंद करेंगे, जो अत्यंत अभद्र व आपत्तिजनक हो? लोग अपनी संतानों के जन्म से पहले ही इंटरनेट पर सुंदर व कर्णप्रिय नाम ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। एक अभिनेत्री ने जब अपने नवजात शिशु का नाम क्रूर विदेशी आक्रांता के नाम पर रखा तो उसे प्रशंसनीय नहीं माना गया था। कोई नाम चंद अक्षरों का समूहभर नहीं होता। उसके पीछे कई कारक होते हैं। अगर 'नाम में कुछ नहीं रखा' तो क्या कोई व्यक्ति जर्मनी में अपना नाम 'हिटलर' रख सकता है? ज़रा मालूम कीजिए कि इस समय इटली में कितने लोगों के नाम 'मुसोलिनी' हैं? क्या पश्चिमी देश ऐसे नाम वाले किसी व्यक्ति को वीजा देंगे? जो पश्चिमी देश पूरी दुनिया को 'उदारवाद, मानवाधिकार, स्वतंत्रता' के नाम पर उपदेश देते हैं, अगर उन्हें कहीं भनक भी लग जाए कि दूसरे विश्वयुद्ध में हिटलर या मुसोलिनी का कोई सहयोगी कहीं छुपा हुआ है तो वे उसे पकड़कर मृत्युदंड दे देते हैं। वहां 'उदारवाद, मानवाधिकार, स्वतंत्रता' से कोई लेना-देना नहीं होता है। अगर 'नाम में कुछ नहीं रखा' तो एक सोशल मीडिया ऐप ने 'आइसिस' नामक महिला का अकाउंट क्यों बंद कर दिया था, जबकि यह पश्चिमी मान्यताओं में एक देवी का नाम भी है? बाद में यह मुद्दा मीडिया में आया तो वह अकाउंट बहाल किया गया। चिड़ियाघर हो या कोई और संस्थान, उसे नामकरण करते समय इन बातों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

बनास डेयरी प्लांट का शिलान्यास मैंने 2 वर्ष पहले किया था। तब मैंने वाराणसी सहित पूर्वांचल के तमाम पशुपालकों, गोपालकों को इस प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने की गारंटी दी थी। आज मोदी की गारंटी आपके सामने है।

-सीपी जोशी

पूजनीय स्वामी रामचरण जी महाराज के प्राकट्य दिवस पर देशवासियों को अनंत शुभकामनाएं। स्वामीजी ने ऐसे समावेशी समाज की रचना का प्रयास किया जहाँ सभी के बीच प्रेम, स्नेह और सम्मान हो। उन्होंने कुरीतियों और आडंबरों का मुखर विरोध किया।

-ओम बिरला

प्रदेश के हर वंचित वर्ग तक पहुंचेगी राजस्थान की एनडीए सरकार! यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे विकसित भारत यात्रा का हिस्सा बनने के लिए नमो ऐप डाउनलोड करें और विकास के इस नये युग का हिस्सा बनें।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

अद्भुत स्मरण शक्ति

बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद मेरठ प्रवास पर थे। वे निरंतर अध्ययनशील रहते थे। उन्होंने प्रवास के दौरान मेरठ में एक बड़ी लाइब्रेरी का पता लगाया और संपर्क साधकर रोज पुस्तक लाने लगे। स्वामी जी सुबह पुस्तक मंगाते और शाम को पुस्तक लौटा देते। यह क्रम कई दिनों तक लगातार चलता रहा। लाइब्रेरियन को रोज रजिस्टर में दो एंट्री करनी पड़ती। यह देखकर लाइब्रेरियन क्षुब्ध हुआ कि रोज मुझे पुस्तक देने व जमा करने के लिये दो बार रजिस्टर में दर्ज करना पड़ता है। वह स्वामी जी की पुस्तक ले जाने वाले व्यक्ति पर बिफर पड़ा कि तुम मुझे परेशान करते हो, एक दिन में इतनी बड़ी पुस्तक भला कौन पढ़ सकता है? स्वामी जी के पास लौटकर उनके सहयोगी ने पूरा विवरण उन्हें बताया। अगले दिन स्वामी विवेकानंद ने लाइब्रेरियन से इस बाबत बात की। लाइब्रेरियन ने स्वामी जी द्वारा ली गई कुछ पुस्तकों के संदर्भ पूछे, जो उसने भी पढ़ी थी। स्वामी जी ने उस पुस्तक, पाठ का नाम व पेज संख्या तक लाइब्रेरियन को बता दिये। यह सुनकर लाइब्रेरियन शर्मिंदा हुआ और स्वामी जी से माफी मांगते हुए उनके पैरों पर गिर पड़ा।

सामयिक

जीवन पर्यन्त कुरीतियों का विरोध करते रहे संत रविदास

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041

सम्पूर्ण भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 24 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है। इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना।

ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के

बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर ब्राह्मण राजदरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढ़ेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की।

राजा ने अगले ही दिन ब्राह्मण को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा। राजाज्ञा सुनकर बेचारे ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह गहरी सोच में डूब गया कि आखिर दूसरा कंगन वो कहां से लाएगा? उसे जब और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसने निश्चय किया कि वह संत रविदास के पास जाकर उन्हें सारे वाकये की जानकारी देगा कि कैसे गंगा मैया ने स्वयं यह कंगन उसे उन्हें देने के लिए दिया था, जो उसने लोभवश अपने पास रख लिया। अंततः यही सोचकर वह रविदास जी की कुटिया में जा पहुंचा। रविदास उस समय प्रभु का स्मरण कर रहे थे। ब्राह्मण ने जब उन्हें सारे वृत्तांत की विस्तृत जानकारी दी तो रविदास जी ने उनसे नाराज हुए बगैर कहा कि तुमने मन के लालच के कारण कंगन अपने पास रख लिया, इसका पछतावा मत करो। रही बात राजा को देने के लिए दूसरे कंगन की तो तुम उसकी चिंता भी मत करो, गंगा मैया तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करेंगी। यह कहते हुए उन्होंने अपनी वह कठौती (चमड़ा भिगोने के लिए पानी से भरा पात्र) उठाई, जिसमें पानी भरा हुआ था और जैसे ही गंगा मैया का आव्हान करते हुए अपनी कठौती से जल छिड़का, गंगा मैया वहां प्रकट हुई और रविदास जी के आग्रह पर उन्होंने रत्न जड़ित एक और कंगन उस ब्राह्मण को दे दिया। इस प्रकार खुश होकर ब्राह्मण राजा को कंगन भेंट करने चला गया और रविदास जी ने उसे अपने बड़प्पन का जरा भी अहसास नहीं होने दिया। ऐसे थे महान संत रविदास जी, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं।

मंथन

कांग्रेस से लड़कर बनी 'आप' आज कांग्रेस का बनी सहारा

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन करके आम आदमी पार्टी (आप) का गठन किया था अब उसी के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं। जिस कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को वह जेल भिजवाने की बात करते थे आज उन्हीं की पार्टी के साथ गठबंधन कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर उनकी सरकार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कमान मिल जाए तो वह पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को तुरंत जेल भिजवा देंगे। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा और कांग्रेस को एक समान बताते हुए कहा था कि दोनों पार्टियों ने पिछले 70 साल में सिर्फ भ्रष्टाचार किया और इस स्थिति को बदलने के लिए उन्हें आम आदमी पार्टी बनानी पड़ी जिस पर जनता ने भरोसा कर भारी बहुमत दिया। उस समय दिल्ली के भाजपा नेता विजय गोयल ने कहा कि सत्ता के लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपने पिता राजीव गांधी का अपमान भी भूल रहे है। उनके अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधान सभा में प्रस्ताव पारित करके पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का भारत रत्न सम्मान वापस लेना चाह रही थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजने की बात करते रहे है। हमने स्वयं अपनी आँखों से टी वी पर देखा था केजरीवाल को फाइलों का पुलिंदा लहराते हुए और यह कहना कि जल्द ही वे पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को जेल भिवाने वाले है। अब सत्ता की लालच में कांग्रेस व आप गठबंधन करने जा रही है।

आज की मीडिया की खबरों के अनुसार आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है, सिर्फ औपचारिक ऐलान होना बाकी है। सूत्रों के अनुसार, आप राष्ट्रीय राजधानी में चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस के लिए तीन सीटें छोड़ेगी। सूत्रों ने बताया कि दोनों गुजरात और हरियाणा में भी एक साथ चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि पंजाब में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़ती नजर आ रही हैं। यहां अभी सीट बंटवारे पर कोई फैसला नहीं हुआ है। यदि पिछले लोकसभा चुनावों से

विश्लेषण करें तो पता चलता है कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन से भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा नुकसान होने की संभावना नहीं है। क्योंकि भगवा पार्टी का वोट शेयर 56.86 प्रतिशत था। 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में अगर आप और कांग्रेस के संयुक्त वोट शेयर की तुलना करें तो यह 40.83 फीसदी है। दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा दोनों पार्टियों से काफी आगे थी। भाजपा को 2014 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन की तुलना में 2019 में 10 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। 2019 के चुनावों में आप के वोट शेयर में लगभग 15 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने वोट शेयर में लगभग 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की थी। 2014 में भाजपा को पूरी दिल्ली में 46.63 फीसदी वोट मिले थे और 'मोदी लहर' में उसने सभी सात सीटें जीती थीं।

2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दिल्ली में 49,08,541 वोट (56.86%) मिले। राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस को 19,53,900 वोट (22.63%) और आम आदमी पार्टी को 15,71,687 वोट (18.20%) मिले थे। दिल्ली में 2019 के चुनावों के दौरान आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत 35,25,587 वोट (40.83%) थी, जो भाजपा से 13,82,954 वोट कम थी। भाजपा को उत्तर पश्चिमी दिल्ली (60.49%) और पश्चिमी दिल्ली (60.01%) में 60 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे। पार्टी शेष पांच सीटों दक्षिणी दिल्ली (56.57%), पूर्वी दिल्ली (55.337), नई दिल्ली (54.77%), उत्तर पूर्वी दिल्ली (53.86%) और चांदनी चौक पर भी 50 प्रतिशत से अधिक वोट पाने में सफल रही। यानी 2019 के लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस सातों सीटों पर मिलकर भी भाजपा का अकेले मुकाबला करने की स्थिति में नहीं थीं। लोकसभा चुनाव 2014 के आंकड़ों को देखे तो 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली में 38,38,850 वोट (46.63%) मिले थे। राजधानी दिल्ली में आप को 27,22,887 वोट (33.08%) और कांग्रेस को 12,53,078 वोट (15.22%) मिले थे। दिल्ली में 2014 के चुनावों के दौरान आप और कांग्रेस की संयुक्त ताकत 39,75,965 वोट (48.30%) थी, जो भाजपा से सिर्फ 1,37,115 वोट अधिक थी। हालांकि, भाजपा ने सभी सात सीटें जीत लीं क्योंकि आप और कांग्रेस के बीच कोई गठबंधन नहीं था।

दिल्ली के आलावा कांग्रेस गुजरात में दो सीटें भावनगर और भरूच आप को देने की संभावना है। भरूच सीट कांग्रेस के दिग्गज नेता स्वर्गीय अहमद पटेल से जुड़ी है और पार्टी के लिए भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। पटेल की बेटी इस निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिसे 2024 के चुनाव में उनके दावे के तौर पर देखा जा रहा था। अब देखना होगा कि परिवार पार्टी के फैसले पर क्या प्रतिक्रिया देता है। गुजरात में आप को दो सीटें देने पर सहमति बनी है। इससे केजरीवाल की हरियाणा, असम और गोवा की मांगों को पूरा किया गया है। आप दक्षिण गोवा सीट पर जोर दे रही थी, लेकिन कांग्रेस इसे देने को तैयार नहीं थी क्योंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का एक मौजूदा सांसद फ्रांसिस्को सरदिन्हा है, जो गोवा विधानसभा और संसद के दिग्गज हैं। सूत्रों का कहना है कि इस सौदे से पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, क्योंकि नीतीश कुमार और आरएलडी के भाजपा खेमे में चले जाने से पार्टी में निराशा थी। दोनों पार्टियों के बीच समझौते के संकेत तब मिले थे जब केजरीवाल रविवार को कांग्रेस के कानूनी सलाहकार अभिषेक सिंघवी द्वारा आयोजित लंच में पहुंचे, जहां उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बगल में बैठाया गया था और दोनों ने मिलकर भाजपा को निशाना बनाते हुए बातचीत की थी। गौरतलब है कि दो विरोधाभासी दल जो अभी-अभी छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान में एक दूसरे के सामने लड़ चुके है अब भाजपा के बढ़ते अश्वमेध के डर से साथ में आने के लिए मजबूर है। सत्ता के लिए दोनों भ्रष्ट दल गठबंधन करने को आतुर हैं। पिछले सभी चुनावों में दोनों दल एक दूसरे पर आरोप मढ़ रहे थे, आज साथ-साथ चलने को तैयार हैं।

नजरिया

वामपंथी पार्टियों का 62 सीटों पर होगा खेला

बालमुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

लोकसभा चुनाव के नज़दीक आते ही सियासी पार्टियों ने अपनी चुनावी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में सीटों की शेयरिंग हो गई है। राजधानी दिल्ली सहित अन्य राज्यों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में समझौता होने की खबर मिल रही है। मगर असली पेच बंगाल और केरल की 62 सीटों पर फंसा है। इन राज्यों में वामपंथी पार्टियां इंडि गठबंधन में होकर भी अलग थलग पड़ी है। अब यह लगभग तय है कि बंगाल और केरल में इंडिया ब्लाक की पार्टियां आपस में टकराएगी। यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि कम्युनिष्ट पार्टियां इस समय दो राह पर खड़ी है। बंगाल में लम्बे समय तक राज करने वाली कम्युनिष्ट पार्टियां वहां खाली हाथ है।

त्रिपुरा में भी कमोवेश यही स्थिति है। केरल में वर्तमान में वामपंथी पार्टियां सत्तारूढ़ है। बंगाल और त्रिपुरा में कम्युनिष्ट पार्टियां अपने सबसे बुरे दौर में है जहां उनके पास लोकसभा की एक भी सीट नहीं है। वहीं केरल में सत्तारूढ़ होने के बावजूद उनके पास मात्र एक लोकसभा की सीट है। बंगाल में लोकसभा की 42 और केरल में 20 सीटें है मगर इंडिया गठबंधन की भागीदार होने के बावजूद यहां वे अकेले लड़ने को मज़बूर है। दोनों राज्य जहाँ कम्युनिष्टों का कभी जबरदस्त दबदबा रहा है वहां वे ठन ठन गोपाल की स्थिति में है। सच तो यह है, देश की वामपंथी पार्टियां इस समय अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। अर्श से फर्श में विलीन होने वाली कम्युनिष्ट पार्टियां कहने को कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन में शामिल है। मगर जिन राज्यों में उनका थोड़ा बहुत जनाधार बचा है, वहां उनका सीधा चुनावी संघर्ष कांग्रेस या गठबंधन के अन्य घटक दलों से है। हम सबसे पहले बात कर रहे है बंगाल की जहां 1977 से 2011 तक निर्बाध रूप से बंगाल पर राज करने वाली कम्युनिष्ट पार्टियां आज खाली हाथ है।

कम्युनिष्ट पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर इंडि गठबंधन के साथ है। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने उनके हाथ से सत्ता छीन कर उन्हें सड़क पर ला दिया। इस राज्य में माकपा ने भाजपा के साथ तृणमूल कांग्रेस को अपना सामान रूप से शत्रु घोषित कर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। दूसरा राज्य केरल है जहां वर्तमान में सीपीएम की अगुवाई में वामपंथी पार्टियां सत्तारूढ़ है। मगर पिछले लोकसभा चुनाव में माकपा को सिर्फ एक सीट मिली थी। यहाँ वामपंथियों का सीधा मुकाबला कांग्रेस गठबंधन से है। वामपंथियों ने कांग्रेस नेता राहुल गाँधी को वायनाड सीट छोड़ने की कह दी है। वर्तमान लोकसभा में माकपा और भाकपा के पास तमिलनाडु से दो दो सीटें है। एक सीट केरल से है। इस प्रकार हम कह सकते है भाजपा के विरोध में इंडिया गठबंधन में शामिल होने के बावजूद कम्युनिष्टों की हालत सांप छछूंदर सी हो रही है। उसका सीधा मुकाबला कहीं भी भाजपा से नहीं है। उसे अपने अस्तित्व को बचाने के लिए केरल और बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस से दो दो हाथ करने होंगे।

कभी 64 लोकसभा सीटों के साथ देश के तीन राज्यों में सत्तासीन और भारत सरकार के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली वामपंथी पार्टियां आज सिर्फ पांच सीटों तक सिमट कर रह गयी है। त्रिपुरा और बंगाल के गढ़ तो पहले ही ढह गए थे अब केरल बचा है जहाँ वह शासन में है। पांच में से चार लोकसभा सीटें तमिलनाडु में द्रमुक की कृपा से मिले है। कम्युनस्टों के लिए यह अभी तक के सबसे खराब हालात हैं। लोकसभा चुनाव में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया को 2 और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) को 3 सीटें मिली हैं।

पिछले तीन लोकसभा चुनावों में निरंतर ह्रास के बाद वामपंथी हासिये पर आ गए। कम्युनिस्टों की कभी भारत में तूती बोलती थी। हालाँकि कम्युनिस्ट बंगाल, त्रिपुरा और केरल से आगे कभी नहीं बढे। साठ और सत्तर के दशक में कम्युनिस्टों ने अपने बाड़े से निकलकर आंध्रा ,तमिलनाडु, ओडिसा सहित उत्तर भारत के बिहार, महाराष्ट्र ,राजस्थान मध्य प्रदेश, यू पी ,असम और पंजाब आदि राज्यों में अपने संघर्ष के बूते अपनी पहचान बनाई। मगर शीघ्र कम्युनिस्ट बंट गए और खंड-खंड होने के बाद उनकी ताकत लगातार घटती गई। कभी संसद में 64 का आंकड़ा पार करने वाले कम्युनिस्ट आज 5 तक पहुँच गए।

जेएनयू आंदोलन और खबरिया चैनलों पर कम्युनिष्टों की दहाड़ देखकर यह भ्रम होना स्वाभाविक है की वामपंथी ताकतें अभी वजूद में है। हालाँकि यह एक सपना सा लगता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में जनता द्वारा नकार देने के बाद संसद में इनकी संख्या पांच पर आकर सिमट गयी है। खबरिया चैनलों की बहस में यदा कदा कम्युनिष्ट नेता आ जाते है। उनकी बातों को सुनकर हंसी भी आती है और दुःख भी होता है। एक आंदोलनकारी पार्टी का यह हश्र देखकर दुनिया चकित है। प्रेस से वार्ता के दौरान कम्युनिष्ट नेता यह दर्शाते है जैसे देशवासियों का भारी समर्थन इनके कन्धों पर है। कभी मजदूर आंदोलन का सिरमौर रही इन पार्टियों का समर्थन यहाँ से भी दरक गया। कम्युनिस्ट इस समय दो राह पर खड़े है। एक तरफ भाजपा का पुरजोर विरोध कर रहे है तो दूसरी तरफ कांग्रेस से गलबहियां बढ़ा रहे है जिससे पार्टी की स्थिति बेहद कमजोर हो गई है। आज हालत यह हो गई है कि कांग्रेस से मेलमिलाप के बाद भी इन्हें कांग्रेस से ही टकराना पड़ रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूस शासन कला की महान परंपरा वाली एक शक्ति है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रम और उनके परिणाम पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रूस शासन कला की एक महान परंपरा वाली शक्ति है और एशिया या गैर पश्चिमी देशों की तरफ इसका रुख अधिक रहा है। रायसीना डायलॉग के एक सत्र में जयशंकर बीजिंग के साथ मॉस्को की बढ़ती निकटता से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि रूस को कई विकल्प देने के मायने हैं और इसे केवल एक विकल्प के अनुरूप ढालकर, इसके लिए आलोचना करना तर्कसंगत नहीं होगा।

उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि रूस को कई विकल्प देने का मतलब है। अगर हम रूस को एक ही विकल्प में ढालते हैं और कहते हैं कि यह वास्तव में बुरा है क्योंकि यही परिणाम है, तो यह भविष्य की अनिश्चित घटना को पहले ही सही मानकर उसके अनुरूप व्यवहार करने जैसा (सेल्फ फुलफिलिंग प्रोफेसी) होगा। जयशंकर ने कहा, आज अन्य देशों, खासकर एशिया के लिए रूस के साथ जुड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, रूस शासन कला की एक महान परंपरा वाली एक शक्ति है। ऐसी शक्तियां कभी भी खुद को बहुत गहन प्रकृति के एक रिश्ते में नहीं बांधेंगी। यह उनकी सोच के खिलाफ होगा। विदेश मंत्री से रूस और चीन के बीच संबंधों की प्रगाढ़ता पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था। साथ ही उनसे यह भी पूछा गया था कि क्या भारत इससे असहज है ?

जयशंकर ने कहा, रूस के साथ आज जो हुआ है वह यह है कि रूस और पश्चिम के लिए बहुत सारे दरवाजे बंद कर दिए गए हैं। हम इसका कारण जानते हैं। रूस एशिया या दुनिया के गैर पश्चिमी देशों की तरफ अधिक रुख कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिम की नीतियां रूस और चीन को करीब ला रही हैं। उन्होंने कहा, यह अजीब है कि एक तरफ आपके पास ऐसे लोग हैं जो नीतियां तय करते हैं (और) दोनों को एक साथ लाते हैं और फिर आप कहते हैं कि उनके एक साथ आने से सावधान रहें। यह सवाल ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक माइकल फुलिलोव ने पूछा था। जयशंकर की टिप्पणी उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के रूस के साथ 'स्थिर' और 'बहुत मैत्रीपूर्ण' संबंध रहे हैं और मॉस्को ने कभी भी नयी दिल्ली के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है।

यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बावजूद भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत बने रहे। भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात काफी बढ़ गया है भले ही कई पश्चिमी देशों में इसे लेकर बेचैनी बढ़ गई है। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा नहीं की है और वह कहता रहा है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

जयशंकर ने भारत की जी20 अध्यक्षता पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे इसने अफ्रीकी संघ को समूह के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना सुनिश्चित किया।

रविदास जयंती

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शुक्रवार को संत गुरु रविदास की 647वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनते लोग।

चीन में बांध का विरोध करने पर बौद्ध भिक्षुओं समेत 100 से अधिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन के दक्षिणी-पूर्वी सिचुआन प्रांत में एक विशालकाय बांध के निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन को कुचलने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने बौद्ध भिक्षुओं समेत 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई और कहा गया कि इस बांध के निर्माण से छह बौद्ध मठ डूब जाएंगे और दो गांवों के लोगों को स्थानांतरित करना पड़ेगा। बगावत के इस दुर्लभ मामले के तहत गार्जे तिब्बती स्वायत्त प्रान्त में डेगे काउंटी के वांगबुडिंग टाउनशिप के निवासी 14 फरवरी से सड़क पर उतरकर ड्रिचु नदी (चीनी भाषा में जिंशा) पर 2,240 मेगावाट के गंगटुओ जलविद्युत परियोजना के निर्माण का विरोध कर रहे हैं। 'रेडियो फ्री एशिया' ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह बांध यांग्त्जी नदी के ऊपरी हिस्से पर स्थित है, जो चीन के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है।

लोगों को कथित तौर पर सिचुआन के कार्दजे तिब्बती स्वायत्त प्रान्त में गिरफ्तार किया गया जो तिब्बतियों की एक बड़ी आबादी वाला क्षेत्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों में से कुछ को सुरक्षाकर्मियों की कार्रवाई के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए पानी की बौछारें करने समेत अन्य कदम उठाए।

अमेरिका की एक निजी कंपनी ने चंद्रमा पर पहला वाणिज्यिक अंतरिक्षयान उतार कर इतिहास रच दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका की एक निजी कंपनी ने चंद्रमा पर पहला वाणिज्यिक अंतरिक्षयान उतार कर इतिहास रच दिया है और यह 50 से अधिक वर्ष में चंद्रमा पर पहुंचने वाला अमेरिका का पहला अंतरिक्षयान भी बन गया है। 'इंटुएटिव मशीन्स' द्वारा निर्मित लैंडर 'ओडीसियस' बृहस्पतिवार शाम को चंद्रमा की सतह पर उतरा और इसी के साथ ही यह 1972 में अपोलो17 मिशन के बाद चंद्रमा पर पहुंचने वाला पहला अमेरिकी अंतरिक्षयान बन गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष ऐंजेसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने ह्यूस्टन की कंपनी इंटुएटिव मशीन्स द्वारा ओडीसियस लैंडर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारे जाने के बाद कहा, आज आधी सदी में पहली बार अमेरिका चंद्रमा पर दोबारा पहुंचा है।

इस लैंडर के जरिए नासा के कई वैज्ञानिक उपकरण भी भेजे गए हैं। नेल्सन ने कहा, यह अंतरिक्ष में विज्ञान, नवाचार और अमेरिकी नेतृत्व के सपने को भी साथ ले गया है...। उड़ान निदेशक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी टिम क्रैन ने कहा, हम बिना शक यह पुष्टि कर सकते हैं कि हमारा उपकरण चंद्रमा की सतह पर है और हमें संचार मिल रहे हैं। एनसीबी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि अंतरिक्ष यान के लैंड करने के दौरान मिशन कंट्रोलर से उसका संपर्क टूट गया और उम्मीद है कि संपर्क फिर स्थापित होगा।

स्नान

तेलंगाना के मुलुगु जिले में शुक्रवार को एशिया के सबसे बड़े आदिवासी मेले सम्मक्का सरक्का मेदारम जथारा में आदिवासी देवताओं के दर्शन करने से पहले जम्पन्ना वागु में पवित्र स्नान करते श्रद्धालु।

अग्रणी भारतीय ड्रोन निर्माता ने अमेरिकी बाजार में किया प्रवेश

वाशिंगटन। भारतीय ड्रोन निर्माता कंपनी आईडियाफोर्ज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंकित मेहता ने कहा कि भारत के ड्रोन उद्योग ने पिछले 10 वर्षों में बड़ी छलांग लगाई है और कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद इसमें तेजी आई है। भारतीय ड्रोन निर्माण कंपनी आइडियाफोर्ज अमेरिकी ड्रोन बाजार में ऐसे समय में प्रवेश कर रही है जब वहां चीन में बने ड्रोन को खरीदने को लेकर अनिच्छा है। मेहता ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारतीय ड्रोन उद्योग ने भारत सरकार के अनुकूल परिवेश के साथ पिछले 10 वर्षों में बड़ी छलांग लगाई है। मेहता ने कहा, मुझे लगता है कि वैश्विक महामारी से पहले ड्रोन के संबंध में नियम और कानून काफी सख्त थे। इससे पहले वे उपयोग तथा तैनाती के मामले में बहुत अधिक लचीलेपन की अनुमति नहीं देते थे। उन्होंने कहा, वैश्विक महामारी के बाद से प्रौद्योगिकी को अपनाने का रास्ता खुला... अब लोग यथासंभव अधिक से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मेहता ने कहा, इसलिए हम प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रबल इच्छा रखते हैं। हम ऐसा करने के लिए बहुत अधिक नियामक समर्थन देख रहे हैं।

ज्वेल्स शो

हैदराबाद में एशिया ज्वेल्स शो के मुख्य आयोजक हरीश सचदेव शुक्रवार को एशिया ज्वेल्स शो के लॉन्च पर अभिनेत्री और मॉडलों के साथ।

शैतान का ट्रेलर देखने के बाद माधवन की पत्नी ने कहा, दूर रहकर बात करो

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका स्टारर फिल्म 'शैतान' का ट्रेलर गुरुवार को सामने आया। इस सुपरनेचुरल थ्रिलर का ट्रेलर देखकर ही जनता का मुंह खुला रह गया है। अजय और ज्योतिका तो अपनी रेपुटेशन के हिसाब से फिल्म में बेहतरीन नजर आ ही रहे हैं, मगर फिल्म में विलेन का किरदार निभा रहे आर माधवन को देखकर तो जनता हैरान ही रह गई। 'तनु वेड्स मनु' फिल्म के स्वीट-सुशील शर्मा जी के रोल से आज भी जनता को याद रहने वाले माधवन, 'शैतान' में भयानक नजर आ रहे हैं। ट्रेलर से ही उनके काम की खूब तारीफ होने लगी है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर माधवन ने बताया कि उनकी पत्नी का ये ट्रेलर देखने के बाद क्या रिएक्शन था। माधवन ने कहा कि उनकी पत्नी ने उन्हें 'अलग नजरों से देखना शुरू कर दिया'।

माधवन ने ट्रेलर लॉन्च पर 'शैतान' के लुक पर अपनी वाइफ का रिएक्शन बताया। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे एकदम सही से याद है कि जब मैंने उन्हें ये ट्रेलर और पिक्चर दिखाई, वो मुझे पूरी तरह एक अलग नजर से देखने लगीं। आज उन्होंने कहा कि मैं उनसे थोड़ा दूर रहकर बात करूं, तो मुझे लगता है कि इस फिल्म ने काफी हद तक मेरी पर्सनल लाइफ पर असर डाला है।' माधवन ने कहा कि उन्हें ये उम्मीद नहीं थी कि मेकर्स 'शैतान' की कहानी में हॉरर एलिमेंट्स को इस लेवल पर ले जाएंगे। उन्होंने बताया, 'जब मैंने फिल्म करने का फैसला किया था, मैंने बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी कि हम किस लेवल पर जाने वाले हैं, ना मैंने ये सोचा था कि हम जनता को किस लेवल तक डराने वाले हैं।'

माधवन ने आगे बताया, 'मुझे यकीन नहीं हुआ कि मैं इस लेवल तक खुद को पुश कर सकता हूं। ना ही मुझे ये उम्मीद थी कि मैं कभी कुछ ऐसा करूंगा जिसकी वजह से लोग रियल लाइफ में भी मेरे करीब आने से डरेंगे।'

अजय ने इस साल की शुरुआत में 'शैतान' अनाउंस की थी। फिल्म में लीड रोल करने के साथ-साथ वो फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं। 1997 में बॉलीवुड डेब्यू करने वाली ज्योतिका 25 साल बाद हिंदी फिल्म में काम करने जा रही हैं। उन्होंने आखिरी बार 2001 में हिंदी-तमिल फिल्म 'लिटल जॉन' में काम किया था। 'शैतान' में माधवन पहली बार अजय के साथ काम करने जा रहे हैं। ये फिल्म 8 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होगी।

करीना कपूर अभिनीत 'क्रू' 29 मार्च को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री करीना कपूर खान और तब्बू अभिनीत 'क्रू' 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को फिल्म निर्माताओं ने इसकी घोषणा की। आगामी कॉमेडी फिल्म 'लूटकेस' से प्रसिद्ध हुए राजेश कृष्णन द्वारा निर्देशित और रिया कपूर और एकता आर कपूर द्वारा निर्मित है। कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ ने भी 'क्रू' फिल्म में भूमिका निभाई है। यह फिल्म वाणिज्यिक विमानन की दुनिया पर आधारित है और दर्शकों को एक रोमांचक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। एकता आर कपूर के प्रोडक्शन हाउस बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। यही पोस्ट करीना, तब्बू और सेनन ने भी शेयर किया। पोस्ट में लिखा, 'यह जोखिम उठाने का समय है। मिलिए हमारे क्रू से! दक्रूइनसिनेमा29मार्च।

फिल्म निर्माताओं ने एयर होस्टेस के रूप में करीना, तब्बू और सेनन का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया और बताया कि कॉमेडियन अभिनेता कपिल शर्मा फिल्म में एक विशेष भूमिका में नजर आएंगे। एकता और रिया के बीच 'क्रू' तीसरी साझेदारी है। इससे पहले 2018 में निर्मित 'वीरे दी वेडिंग' और पिछले साल की कॉमेडी फिल्म 'थैंक्यू' में भी दोनों साथ आए थे।

एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

गत वर्ष बॉक्स ऑफिस पर टाइगर-3 देने वाले सलमान खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म द बुल को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन विष्णुवर्धन कर रहे हैं जिन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शेरशाह नामक फिल्म बनाई थी। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर ने किया था। द बुल का निर्माण भी करण जौहर कर रहे हैं। सलमान खान और करण जौहर 27 साल बाद एक बार फिर से साथ आए हैं। सलमान खान ने करण जौहर की पहली निर्देशित फिल्म कुछ-कुछ होता है में एक्सटेंडेड कैमियो किया था। सुपरस्टार सलमान खान हमेशा लाइमलाइट में रहते हैं। इन दिनों सलमान अपने अपकमिंग प्रोजेक्टस को लेकर खबरों में हैं। पिछले महीने 'बिग बॉस 17' खत्म होने के बाद अब सलमान फिल्म 'द बुल' की तैयारियों में जुट गए हैं। हाल ही में सलमान मुंबई के एक एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। वहां उन्हें देखने के लिए फैंस जमा हो गए। हैप्पी मूड में दिख रहे सलमान जैसे ही अपनी गाड़ी से उतरे पैपराजी ने उन्हें घेर लिया।

व्हाइट पैंट, ब्लू शर्ट और ब्लैक लेदर जैकेट पहने सलमान हमेशा की जैसे कूल दिखे। उनके लुक में सबसे ज्यादा ध्यान उनकी कैप ने खींचा, क्योंकि वे बहुत कम अवसरों पर इसका प्रयोग करते हैं। सलमान के वीडियो में एक और बात ने फैंस का ध्यान खींचा। सलमान के साथ कई सिक्योरिटी गार्ड्स थे, इसके बावजूद उन्होंने अपना बैग कंधे पर टांगकर अंदर एंट्री की। सोशल मीडिया यूजर्स उनके इस अंदाज पर फिदा होने के साथ कई तरह की अटकलें भी लगा रहे हैं। बताया जा है कि

सलमान 'द बुल' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। फिल्म 2025 में ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। सलमान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' थी, जो सफल तो रही लेकिन उतना बिजनेस नहीं कर पाई जितना अनुमान लगाया जा रहा था।

होली के अवसर पर रिलीज होगी फिल्म 'बदला गंगा गीता'

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री रानी चटर्जी की फिल्म बदला गंगा गीता होली के अवसर पर रिलीज होगी। अभिनेत्री रानी चटर्जी फिल्मों में कम बैक करने जा रही हैं। रानी चटर्जी ,दिलीप गुलाटी निर्देशित फ़िल्म बदला गंगा गीता से कमबैक कर रही हैं।फ़िल्म बदला गंगा गीता में रानी चटर्जी के साथ प्रेम सिंह, रवि यादव, मनोज द्विवेदी, जीतू शुक्ला, पप्पू यादव, सागर पांडेय, रमज़ान, आशा लता चौहान, अमित गौड़, पूनम चोपड़ा, जतिन तिवारी ने भी अभिनय किया है । फ़िल्म गंगा और गीता को सेंसर सर्टिफिकेट मिल चुका है और यह फ़िल्म आगामी होली के शुभ अवसर पर रिलीज करने की तैयारी है।

लेखक-निर्देशक दिलीप गुलाटी ने बताया,फ़िल्म बदला गंगा गीता का एक जबरदस्त एक्शन फिल्म है और इसे सेंसर से यूए सर्टिफिकेट मिला है जो काफी सराहनीय है । फ़िल्म को हर वर्ग के दर्शक, हर उम्र के लोग देख सकते हैं । फ़िल्म के निर्माता कोमल हैं। वहीं संगीत अमन श्लोक ने दिया है, गीत दिल दिलीप ने लिखा है, वहीं फ़िल्म का छायांकन अनील ढांडा ने किया है। फ़िल्म गंगा और गीता का संकलन योगेश पांडेय का है, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर कोमल हैं ,वहीं फ़िल्म में मारधाड़ जय यादव ने कराया है, जबकि नृत्य निर्देशन गोपी किशन का है।

'आर्टिकल 370' की स्क्रीनिंग पर खुशी से दमका यामी का चेहरा

मुंबई/एजेन्सी

यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' काफी समय से सुर्खियां बटोर रही है। यह आज शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इससे पहले गुरुवार रात मुंबई में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इसमें फिल्म की पूरी टीम एक साथ दिखी। इसके अलावा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी और कई हस्तियां नजर आईं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

नेशनल अवार्ड विनर डायरेक्टर आदित्य सुहास जांभले की इस फिल्म में यामी के साथ अरुण गोविल, किरण करमरकर, प्रियामणि, दिव्या सेठ शाह, राज अर्जुन और खावर अली भी हैं। स्क्रीनिंग के दौरान यामी पति फिल्ममेकर आदित्य धर के साथ पहुंचीं। यामी ने रेड कलर का सूट पहना था। साथ ही उन्होंने बालों को खुला छोड़ा और इयरिंग कैरी किए हुए थे। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो साफ देखने को मिला।

आदित्य ने ब्लैक आउटफिट चुना। यामी और आदित्य ने पिछले दिनों फिल्म के ट्रेलर रिलीज पर बताया था कि वे जल्द ही बच्चे का स्वागत करने वाले हैं।

स्क्रीनिंग में अरुण गोविल पत्नी श्रीलेखा के साथ पहुंचे। अरुण ने ब्लैक टी-शर्ट, व्हाइट जैकेट और ब्लैक पैंट कैरी की थी। इस मौके पर एक्टर मनोज जोशी, मृणाल ठाकुर, 'आदिपुरुष' के डायरेक्टर ओम राउत, विक्की कौशल के भाई सनी व पिता शाम कौशल, अर्जन बाजवा सहित और भी कई स्टार दिखे। बता दें कि 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' के बाद 'आर्टिकल 370' आदित्य और यामी के बीच दूसरा सहयोग है। फिल्म आर्टिकल 370 को निरस्त करने की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसने जम्मू और कश्मीर को एक विशेष दर्जा दिया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 24-02-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 'एक कदम मोक्ष की ओर' अभियान के अंतर्गत वीर्याचार विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ।

भिक्षु भक्ति संध्या में बही भक्ति की रसधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर के तत्वावधान में गुरुवार को उत्तरहल्ली में विमल बरड़िया के सहयोग से भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन महाश्रमण सुर संगम द्वारा किया गया। महाश्रमण सुर संगम सहप्रभारी सुरेश कोठारी, परामर्शक विक्रम पुगलिया, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया, कनक बरड़िया, निर्मला आंचलिया, विजया दुग्गड़ और विनीता बरड़िया ने अपनी प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया। तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद ने परिषद् के इस उपक्रम हर घर भिक्षु स्वर के बारे में जानकारी दी तथा सुर संगम टीम को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर तेयुप मंत्री राजीव हीरावत, सहमंत्री सुमित चिंडालिया, नवरत्न बरडिया, निर्मल बच्छावत आदि उपस्थित थे।

यशवंतपुर में 'वीर्याचार' कार्यशाला व भिक्षु भक्ति संध्या में हुआ आचार्य भिक्षु का गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 'एक कदम मोक्ष की ओर' अभियान के अंतर्गत वीर्याचार विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में साध्वी लावण्यश्रीजी ने कहा कि प्रत्येक चतुर्दशी को तेरापंथ के प्रत्येक साधु-साध्वी संविधान का वाचन करते हैं। तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य श्री भिक्षु ने वर्ष 1859 मे प्रथम बार संविधान लिखा। आज भी उनके हाथो का लिखा संविधान पत्र युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के पास सुरक्षित है। प्रति वर्ष मर्यादा महोत्सव के अवसर पर उनके द्वारा लिखे गए पत्र का वाचन किया जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि हम सभी के पास अपार शक्ति है, सामर्थ्य है, हमें अपनी शक्ति का सम्यक नियोजन करना है। साध्वी दर्शितप्रभाजी ने सम्यत्व प्राप्ति में बाधक तत्व के बारे में जानकारी दी व चर्चा की। इस मौके पर साध्वीश्री की निश्रा में कैलाश बोराणा ने स्व. शांतिलाल बोराणा की जीवन गाथा 'शांति सौरभ' पुस्तक का विमोचन किया। महिला मंडल मंत्री लाडली मुथा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। साध्वीश्री का आगामी चातुर्मास स्थल सिंधनूर से सभा अध्यक्ष कंवरलाल नाहर व उनकी टीम ने साध्वीश्री के दर्शन कर विहार की रूप रेखा के बारे मे चर्चा की। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य भूपेंद्र मुथा ने साध्वीश्री के दर्शन किए। गांधीनगर अध्यक्ष कमल दुग्गड़ ने रविवार को यशोगाथा कार्यक्रम की जानकारी दी। महिला मंडल मंत्री लाडली मुथा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया! गुरुवार को प्रज्ञा संगीत सुधा के गायकों ने भिक्षु भक्ति संध्या में आचार्यश्री भिक्षु को समर्पित भजनों की प्रस्तुति दी। संस्था के ललित, प्रसन्न, नवीन, गगन यश, अरिहंत आदि ने आचार्यश्री भिक्षु भजनों की प्रस्तुति दी। यशवन्तपुर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने सभी संगीतकारों का स्वागत किया। मंत्री महावीर ओस्तवाल, अभातेयुप से विनोद मुथा, तेयुप अध्यक्ष जिगर मारू, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक ने सभी का सम्मान किया।

अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ पर कुशलराज गुलेच्छा परिवार ने किया पांचवा ध्वजारोहण

'मन के भावों को सकारात्मक करने का समय है ध्वजारोहण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/उज्जैन। उज्जैन के अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ जैन श्वेतांबर मारवाड़ी समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में अवंती तीर्थ की पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीर्थ के शिखर पर ध्वजारोहण का वरघोडा निकाला गया। उपाध्यायश्री महेंद्रसागरजी के शिष्य विराटसागरजी की निश्रा में वरघोड़ा निकाला गया। मंदिर में ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोककुमार कोठारी ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात मंदिर के शिखर पर बेंगलूरु निवासी संघवी कुशलराज उत्तमचन्द ललितकुमार गुलेच्छा परिवार ने अमर ध्वजा फहराई।

इस उपलक्ष्य में संतों ने अपने प्रवचन में कहा कि 5 वर्ष पूर्व आज वही माघ चतुर्दशी का दिन आया है प्रतिष्ठा समय का जो माहौल तीर्थ नगरी में था वह पूरे भारत में अभी भी लोगों की नजरों के सामने प्रतिष्ठित है। इसके लिए समाज जन ट्रस्टी एवं प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संयोजक संघवी कुशलराज गुलेच्छा बधाई के पात्र हैं। जीवन यात्रा में प्रतिकूलता का मूल्य जाने बिना अनुकूलता के अनुभव का पता नहीं चलता है। मूलनायक अवंती तीर्थ की ध्वजा आज बदली जा रही है, इसी तरह व्यक्ति को अपने व्यवहार एवं दिनचर्या को भी हृदय से बदलना चाहिए। ध्वजा तो प्रतीकात्मक होती है। गुरुदेव ने कहा कि जब भी ध्वजा बदली जाती है तो उस समय मनुष्य को भी अपने भावों में परिवर्तन करके परमात्मा शक्ति को याद करके श्रद्धा के साथ नमन करना चाहिए तथा अपने जीवन की बुराइयों का त्याग करना चाहिए ताकि ध्वजा बदलने

कॉटनपेट में कुमावत समाज कृष्ण मंदिर का हुआ शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कॉटनपेट स्थित कुमावत समाज द्वारा गुरुवार को कृष्ण मंदिर का शिलान्यास किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा सांसद पी सी मोहन शामिल हुए।

इस मौके पर भजन संध्या में बोलिया लेने वाले लाभार्थियों ने पूजा पाठ किया और मंदिर की नींव रखी। अध्यक्ष माणिकचंद सिंदड ने बताया कि कुमावत समाज राधा कृष्ण मंदिर का कार्य शीघ्र ही पूरा कर उद्घाटन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में समाज के ट्रस्टी बालकृष्णा मेंहरोता, राजूराम अडानिया, संपत चांदोरा, रमेश लिम्बा, चम्पालाल मदनलाल मोटावत, गणपत मेहरोता, चेनाराम जकिया सहित मैसूरु समाज, अब्बीगेरे, मैसूरु रोड समाज अध्यक्ष, मायलसन्द्रा समाज के अध्यक्ष उपस्थित थे।

होलिकारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के केआरएस रोड स्थित आईमाता मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को आईजी गैर मंडल के सदस्यों द्वारा चांदनी चौदस के दिन होलिकारोपण किया गया। रोपण के बाद होलिका दंड पर चुंदड़ी ओढ़ाई तथा गैर नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गैर मंडल के अध्यक्ष चैनाराम परिहार, आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, मंदिर के पुजारी दौलाराम सीरवी आदि उपस्थित थे।

'नाजुक सा रिश्ता ननद-भाभी का' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में 'नाजुक सा रिश्ता ननद-भाभी का' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया और कार्यशाला की जानकारी दी। मंत्री ज्योति संचेती ने आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता पुष्पा गन्ना ने कहा कि ननद भाभी का रिश्ता एक एहसास है ,विश्वास है। यह रिश्ता दो सहेलियों का रिश्ता है । लड़की शादी कर जब ससुराल आती है ननद उसकी सहेली बन जाती है और दोनों अपने मन की बातों का आदान-प्रदान करने लगती है। ननद-भाभी का रिश्ता बनाना और बिगड़ने में सास का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सास अगर बेटी और बहू में पक्षपात न करे तो यह रिश्ता एक बहुत सुंदर रिश्ता बन जाता है। रिश्तों को मजबूत करने के लिए तपना-खपना और सहन करना पड़ता है। रिश्ता बनाने के लिए प्रयत्न करना होता है और अहम को पोषण ना देकर स्वभाव में परिवर्तन लाना होगा। इस मौके पर ननद भाभी के सात जोड़ियां उपस्थित थीं और उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री ज्योति संचेती, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादिया, सहमंत्री प्रमिला धोखा, संगठन मंत्री पवनबाई संचेती, पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा आदि कार्यकारिणी सदस्याएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका मीना आच्छा ने किया व प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया ने धन्यवाद दिया।

खजुराहो में बने वर्ल्ड रिकॉर्ड में शहर के कथक साधकों का भी रहा योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में हुए खुजराहो महोत्सव में एक साथ 1484 कथक नृत्य साधकों ने कथक करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया । प्राचीन वाद्य यंत्र नगाड़ा की ताल, नर्तकों के घुंघरू की झंकार ने 50वें खजुराहो नृत्य समारोह की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इसमें बेंगलूरु के होसूर रोड स्थित सलारपुरिया ग्रीनेज की निवासी नृत्य गुरु आरती परमार अपनी एक शिष्या सानवी सुराना के साथ सेंधवा शहर की 33 शिष्यों के दल का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्मिलित हुई और रचित इतिहास का हिस्सा बनी। सोसायटीवासियों ने इस उपलब्धि पर दोनों नृत्य साधकों को शुभकामनाएं दी तथा सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्वकर्मा सेवारत्न

समाजसेवा में दिए विशिष्ट योगदान देने के लिए बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल गुगरिया को कर्नाटक विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से 'विश्वकर्मा सेवारत्न' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड समिति की ओर से अयोध्या के भगवान रामलला की मूर्ति का निर्माण करने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज के हाथों भंवरलाल को दिया गया। इस मौके पर समिति सहित जांगिड़ समाज बेंगलूरु के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष बने सिद्धार्थ बोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक विभाग की जारी पदाधिकारियों की सूची में सिद्धार्थ बोहरा को प्रदेश का पुनः उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कर्नाटक अल्पसंख्यक कांग्रेस की प्रभारी जिनल गाला व प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल जब्बार की अनुशंसा पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद इमरान प्रतापगढ़ी द्वारा यह नियुक्ति दी गई। ज्ञातव्य है कि पिछले 18 वर्षों से कांग्रेस में सक्रीय सिद्धार्थ बोहरा पिछले कुछ वर्षों से कर्नाटक कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग में उपाध्यक्ष के रूप में पार्टी में सक्रिय थे। राजस्थान व तमिलनाडुके विधानसभा चुनावों में उन्होंने प्रभारी के रूप में सक्रियता से कार्य किया। इसके अलावा वे बेंगलूरु युवक कांग्रेस के सचिव, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक के बतौर सह संयोजक, संयोजक, महासचिव व उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने पार्टी में कार्य किया है।

अपनी नियुक्ति पर सिद्धार्थ बोहरा कहा कि कांग्रेस ने उन्हें यह पद प्रदान कर अल्पसंख्यकों को सहयोग करने का जो मौका दिया है, उस पर खरा उतरने को प्रयास करेंगे।

इस नियुक्ति पर बोहरा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, समाजसेवी प्रमोद भंडारी व कांग्रेस नेता हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी का आभार व्यक्त किया।

सम्मान

बेंगलूरु के आरएनएस कॉलेज एमबीए विभाग द्वारा सांस्कृतिक उत्सव 'जेस्टियन 2024' का आयोजन किया जिसमें छात्र-छात्राओं ने समूह नृत्य, गीत व फैशन शो प्रस्तुत किया। इस मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। महाविद्यालय के प्रोफेसर राकेश नागराज ने मुणोत का सम्मान किया।

दो दिवसीय निशुल्क रेकी कार्यशाला 25 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वरांजलि संस्था और वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक ट्रस्ट हनुमंतनगर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय निशुल्क रेकी कार्यशाला का आयोजन रविवार से हनुमंतनगर स्थित चोरडिया भवन में किया जा रहा है। इस रविवार व सोमवार को अनुभवी रेकी थेरेपी विशेषज्ञ व स्वरांजलि की निदेशक अंजना जैन दोपहर 12 से शुरु होने वाली कार्यशाला में रेकी का प्रशिक्षण देकर प्रतिभागियों को स्वस्थ रहने के गुर सिखाएंगी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com